राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 08 जुलाई 2024 वर्ष-7,अंक-165 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुर्लभ संयोग में पुरी में शुरू हुई जगन्नाथ रथ यात्रा

- भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को भक्तों ने खींचा, राष्ट्रपति शामिल

पुरी (एजेंसी)। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू हो गई है। सबसे पहले बलभद्र का रथ खींचा गया है। रथ रुक-रुक कर आगे बढ़ रहा है। कुछ देर बाद सुभद्रा और जगन्नाथ जी का रथ खींचा गया। सूर्यास्त तक ही रथयात्रा चली और कल सुबह आठ बजे से रथयात्रा फिर शुरू होगी। जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद के मुताबिक, भगवान को आम दिनों से 2 घंटे पहले जगाया गया। मंगला आरती सुबह 4 की बजाय रात 2 बजे हुई। मंगला आरती के बाद करीब ढाई बजे दशावतार पूजन हुआ। 3 बजे नैत्रोत्सव और 4 बजे पुरी के राजा की तरफ से पूजा की गई। सुबह 5.10 बजे के बाद सूर्य पूजा और करीब 5.30 बजे द्वारपाल पूजा हुई। सुबह 7 बजे भगवान को खिचड़ी भोग-प्रसाद लगाया गया। रथयात्रा में बहुत ज्यादा भीड़ की वजह से भगवान के नवयौवन दर्शन नहीं हो पाए। रथयात्रा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शामिल हुईं। पीएम नरेंद्र मोदी ने रथयात्रा की देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। बलभद्र के बाद देवी सुभद्रा का रथ आगे

बढ़ने लगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी भक्तों के साथ देवी का रथ खींचा। इसके बाद वे यहां से लौट गईं और कल सुबह फिर रथयात्रा में शामिल होंगी। वहीं आपको बता दें कि भगवान जगन्नाथ आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से दशमी तिथि तक जन सामान्य के बीच रहते हैं। साथ ही इस अवधि में भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर विराजकर गुंडीचा मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। यह भव्य आयोजन 10 दिनों तक चलता है। साथ ही 53 साल बाद यह यात्रा दो-दिवसीय होगी। ग्रह-नक्षत्रों की गणना के अनुसार इस साल दो-दिवसीय यात्रा आयोजित की जा रही है। वहीं आपको बता दें कि आखिरी बार 1971 में दो-दिवसीय यात्रा का आयोजन किया गया था। भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष कहा जाता है। साथ ही इस रथ पर लहरा रहे ध्वज का नाम त्रिलोक्यमोहिनी नाम से जाता जाता है। वहीं इस रथ में 16 पहिए होते हैं। साथ ही यह रथ 13.5 मीटर ऊंचा होता है।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल के चेकअप के वक्त मौजूद नहीं रहेंगी पत्नी सुनीता

- कोर्ट बोला-कई कैदी डाइबिटीज के मरीज,उन्हें भी अटेंडेंट रखने की परमीशन नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केजरीवाल को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को एक और झटका दिया है। कोर्ट ने उनके मेडिकल चेकअप के दौरान उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मौजूद रहने की इजाजत देने इनकार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने सुनीता केजरीवाल को मेडिकल बोर्ड से मिलने की इजाजत दे दी है। साथ ही कहा है कि केजरीवाल की सभी मेडिकल रिपोर्ट भी सुनीता को दी जाएंगी। केजरीवाल ईडी और सीबीआई के अलग-अलग केस में गिरफ्तार किए गए हैं। सीबीआई ने उन्हें 26 जून को अरेस्ट किया था।

तमिलनाडु में कानून व्यवस्था चौपट, सीबीआई करे हत्या की जांच

- प्रदेश बीएसपी चीफ की हत्या के बाद स्टालिन सरकार पर भड़कीं मायावती

चेन्नई (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने उनकी पार्टी की तमिलनाडु इकाई के

अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या की सीबीआई से जांच कराए जाने की रविवार को मांग की। आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार को यहां हत्या कर दी गई थी। मायावती ने दावा किया कि इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए लोग असल अपराधी नहीं हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने इस मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आग्रह किया ताकि न्याय मिल सके।

भगदड़ वाली जगह के बाद गेस्ट हाउस गया जांच दल

- हाथरस कांड में जांच करने गए अधिकारियों ने दूसरे दिन की पूछताछ

हाथरस (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार के न्यायिक आयोग के दल ने हाथरस में दो जुलाई को मची भगदड़ की घटना के प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अलावा अधिकारियों से रविवार को बातचीत की। इस घटना में 121 लोगों की मौत हो गयी थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गठित 3 सदस्यीय दल में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी हेमंत राव और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी भावेश कुमार भी शामिल हैं।

झारखंड और गुजरात में गिरीं बिल्डिंग, 10 की मौत

देवघर में तीन मंजिला पुरानी इमारत गिरी, 3 की मौत

देवघर-सूरत (एजेंसी)। झारखंड के देवघर में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। शहर के सीता होटल के पास तीन मंजिला मकान सुबह पांच बजे के करीब भरभरा कर गिर गया। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 4 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना की

- सूरत में 6 मंजिला बिल्डिंग गिरी, 7 लोगों की गई जान

सूचना मिलने के बाद एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू में जुटी हुई। 8 घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चला। टीम ने 4 लोगों को सुरक्षित निकाला गया, जिसमें तीन बच्चे शामिल हैं। इसमें दिनेश वर्णवाल, मुन्नी वर्णवाल, सत्यम और अनुपमा देवी घायल हैं, जिनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। वहीं, मृतकों की पहचान मनीष दत्त (50), सुनील यादव (35) और सुनील यादव की पत्नी सोनी देवी (28) के रूप में की गई है। देवघर में 22 जुलाई से श्रावणी मेला शुरू होने वाला है। ऐसे में क्षेत्र के लोग इसकी तैयारी में जुटे हुए हैं। उधर गुजरात के सूरत में एक दर्दनाक हादसा हो गया। सूरत के सचिन इलाके में एक 6 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इस 6 मंजिला बिल्डिंग के मलबे में कई लोग दब गए। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है। इन सातों लोगों के शवों को बरामद कर लिया गया है। अभी और लोगों के भी दबे होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बचाव कार्य में जुटी टीमें मलबे को हटाकर जांच में जुटी हुई हैं। जानकारी में सामने आया है कि सूरत के जो बिल्डिंग गिरी है। वह सिर्फ आठ साल पुरानी थी। यह बिल्डिंग 2016 में बनी थी। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है क्या बहुमंजिला बिल्डिंग के निर्माण में सही निर्माण सामग्री का इस्तेमाल नहीं हुआ था। इस बिल्डिंग में छह परिवारों के रहने की बात सामने आई है।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में 6 आतंकी ढेर, 2 जवान शहीद

- 2 जगहों पर 2 दिन से एनकाउंटर जारी, राजौरी में आर्मी कैंप पर हमला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में रविवार को लगातार दूसरे दिन मुठभेड़ जारी है। मुदरघम और चिन्निगम फ्रिसल में अब तक 6 आतंकी मारे गए हैं। दो जवान शहीद हुए हैं। मुदरघम में एक-दो आतंकियों और चिन्निगम

फ्रिसल में एक और आतंकी के छिपे होने की संभावना है। मुदरघम में सुबह दो आतंकी मारे गए हैं। यहां शनिवार को एक आतंकी मारा गया था। एक जवान शहीद हो गया था। कुलगाम के चिन्निगम फ्रिसल में कल चार आतंकी मारे गए। एक जवान शहीद हुआ था। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने बताया कि दोनों जगहों पर मुठभेड़ जारी है। हमें स्थानीय आतंकियों के भी शामिल होने की खबर मिली है। 6 आतंकी मारे गए हैं।

अयोध्या में अब राम मंदिर के शिखर पर लगेगा ध्वज स्तंभ

आंधी-पानी से 200 साल रहेगा सुरक्षित,राम कथा संग्रहालय का हो रहा जीर्णोद्धार

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय का शनिवार को निरीक्षण कर वहां उत्तर प्रदेश राजकीय

- मकराना संगमरमर की बनेगी रामदरबार सहित परिसर के अन्य मंदिरों की मूर्तियां

निर्माण की ओर से करवाए जा रहे संग्रहालय के मरम्मत के काम को देखा। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने निर्माण समिति की बैठक में रखे गए एजेंडों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंदिर के 161 फुट ऊंचे शिखर पर लगने वाले ध्वज स्तंभ को लेकर तकनीकी और सुरक्षा के बिंदुओं पर चर्चा की गई, जिसमें शिखर के ऊपर 40 फुट ऊंचे ध्वज स्तंभ लगने पर इसे बंदरों और आधी तूफान से सुरक्षित कैसे रखा जाएगा। साथ ही आकाशीय बिजली से कैसे बचाया जाएगा। इस पर मंदिर निर्माण की कंपनी के इंजीनियरों ने कहा कि जिस हुक से इसे शिखर पर लगाया जाएगा। वह इतना मजबूत है कि आंधी तूफान का इस पर असर नहीं पड़ेगा। यह सुरक्षित खड़ा रहेगा।

नूंह में फिर निकाली जाएगी ब्रजमंडल शोभा यात्रा

हिंदू संगठनों ने शुरू की तैयारी, प्रशासन हो गया सतर्क

नूंह (एजेंसी)। हिंदू संगठनों द्वारा नूंह (मेवात) जिले में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ब्रजमंडल शोभा यात्रा निकालने की बात कही गई है। इस यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन अभी से अलर्ट हो गया है ताकि पिछले वर्ष 31 जुलाई को

- अभी नहीं ली गई डीसी और एसपी से यात्रा की अनुमति

यात्रा के दौरान हुए हिंसा और आगजनी जैसी घटनाओं का दोबारा सामना न करना पड़े। पिछले साल के दंगो में करीब 7 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे। सैकड़ों वाहनों को आग के हवाले किया गया तथा 100 से अधिक हिंसा के आरोपी आज भी जेल में बंद हैं। यही कारण है कि इस संभावित यात्रा पर जिला प्रशासन ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के साथ ही आमजन की भी नजरें टिकी हुई हैं। हालांकि विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल,गोरक्षा दल और अन्य हिंदू संगठनों द्वारा अभी तक शोभायात्रा के लिए प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली गई है। लेकिन कुछ संगठन के पदाधिकारियों ने इस यात्रा को 22 जुलाई को निकालने की बात जरूर कही है।

इसको लेकर उन्होंने अभी से ही तैयारियां शुरू कर दी है। बता दें कि मेवात जिले में पिछले कई वर्ष से ब्रजमंडल शोभा यात्रा निकाली जा रही है। इसे नूंह स्थित प्राचीन शिव मंदिर से होते हुए फिरोजपुर झिरका के अरावली में बने शिव मंदिर होते हुए पुन्हाना उपमंडल के सिंगार गांव के मंदिर पर जाकर खत्म किया जाता है लेकिन पिछले साल 31 जुलाई इस यात्रा के दौरान दो समुदाय के बीच में हिंसा हो गई थी। नूंह हिंसा के दौरान 7 लोगों की मौत हुई थी।

बड़ा खुलासा ! गौतम अडानी के खिलाफ हुई इंटरनेशनल साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह के खिलाफ अपनी रिपोर्ट की एक कॉपी इसके पब्लिश होने से लगभग दो महीने पहले अपने क्लाइंट को शेयर की थी। इसे न्यूयॉर्क के हेज फंड मैनेजर मार्क किंग्डन को शेयर

- हिंडनबर्ग ने दो महीने पहले क्लाइंट से शेयर की थी रिपोर्ट

किया गया था। इसने ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में उतार-चढ़ाव का फायदा उठाया था। बाजार नियामक सेबी ने यह दावा किया है। सेबी ने हिंडनबर्ग को भेजे अपने 46 पन्ने के 'कारण बताओ नोटिस' में इस बारे में विस्तार से बताया है। सेबी ने बताया है कि कैसे अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग को अडानी ग्रुप की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन में गिरावट से फायदा हुआ। रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद ग्रुप की कंपनियों में भारी-भरकम 150 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। हिंडनबर्ग ने न्यूयॉर्क के हेज फंड और कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े ब्रोकर को पहले ही इस रिपोर्ट की कॉपी शेयर की

थी। वहीं, सेबी के इस कारण बताओ नोटिस के जवाब में हिंडनबर्ग ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसमें हिंडनबर्ग ने कहा है कि यह 'भारत के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों की ओर से किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने और डराने-धमकाने' का प्रयास है।

उत्तराखंड की बारिश बढ़ा रही मुश्किलें,दिल्ली में बाढ़ का संकट !

- देवभूमि के हथिनी कुंड से छोड़ा गया 18,865 क्यूसेक पानी मचाएगा हाहाकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जुलाई 2023 में मॉनसून के दौरान यमुना में ऐसी बाढ़ आई कि उसने पिछले सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए। 13 जुलाई 2023 को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यमुना का जलस्तर 207.49 मीटर रहा। एक्सपर्ट के अनुसार बीते साल बाढ़ आने के बाद भी यमुना पर काम न के बराबर हुआ है। कोर्ट के आदेशों के बावजूद डीडीए समेत कई एजेंसियों ने इसमें ढिलाई बरती है। ऐसे में इस बार भी उत्तराखंड में अधिक

बारिश आने पर हालात बेकाबू होने के आसार हैं। साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डेम्स, रिवर्स एंड पिपल्स के भीम सिंह रावत ने बताया कि जुलाई 2023 में यमुना की बाढ़ से काफी संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। उस बाढ़ से साफ था कि डीडीए, जल बोर्ड आदि यमुना के फ्लड प्लेन की अहमियत समझने और उसे मैनटेन करने में विफल रहे हैं।

हाथरस कांड पर राहुल ने लिखी सीएम योगी चिट्ठी

कांग्रेस नेता ने सीएम से की मुआवजा राशि बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कांग्रेस सांसद ने हाथरस में मची भगदड़ के पीड़ितों के लिए मुआवजे की

- लिखा-घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई हो

राशि बढ़ाने का आग्रह किया है। इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है। आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मुआवजा जल्द से जल्द दिया जाना चाहिए और घायलों को उचित उपचार मुहैया कराया जाना चाहिए। हाथरस में मंगलवार को प्रवचनकर्ता भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मच गई थी। इसमें कुल 121 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। राहुल गांधी ने हाथरस कांड के पीड़ित परिवारों से शुक्रवार को मुलाकात की थी। अब कांग्रेस नेता ने यूपी के

सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजा राशि बढ़ाने की मांग की है। आदित्यनाथ ने घोषणा की थी कि मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा दिया जाएगा। राहुल गांधी ने छह जुलाई को आदित्यनाथ को लिखे अपने पत्र में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से घोषित मुआवजा अपर्याप्त है। मैं आग्रह करता हूं कि मुआवजे की राशि बढ़ाई जाए और इसे जल्द से जल्द दिया जाए। कांग्रेस नेता ने कहा कि घायलों को उचित उपचार और उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाथरस में भगदड़ की घटना में 120 से अधिक लोगों की मौत की खबर से मैं स्तब्ध हूं। मैं हृदय में पीड़ा के साथ आपको यह पत्र लिख रहा हूं और मुझे पता है कि आप भी उस पीड़ा को महसूस कर रहे होंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने अलीगढ़ और हाथरस जिलों के कई पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उनका दर्द बांटने की कोशिश की।

मुंबई में पुणे जैसा कांड!

शिवसेना नेता के बेटे ने दंपत्ति को मारी टक्कर महिला की मौत

मुंबई (एजेंसी)। वर्ली में पुणे जैसा हादसा हुआ है। यहां एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बाइक सवार महिला कार के बोनट पर आ गिरी। कार सवार उसे 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। इस हादसे में महिला की मौत हो गई और उसका पति घायल हो गया।

हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कार चालक की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक ये गाड़ी शिवसेना शिंदे गुट के एक नेता की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय कूटनीतिक नजरिए से कितना अहम है ब्रिटेन का सत्ता परिवर्तन

डॉ. रमेश ठाकुर

लेबर पार्टी की यह जीत उम्मीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। नई सरकार पर उम्मीदों का पहाड़ है। चरमराई अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती के अलावा विभिन्न देशों के साथ संबंध सुधारने की परीक्षा भी है। लेबर पार्टी को सरकार को नए किस्म के आतंकवाद से निपटना, अमेरिका की बिलावजह दखलदांजी को रोकना, ऊर्जा स्रोतों को स्थानीय स्तर पर खोजना, गैस और प्राकृतिक संसाधनों का उत्सर्जन करना, यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद बिगड़े कई मुल्कों से संबंधों को फिर से नई धार देना भी होगा।

प्र ब्रिटेन में बेशक कड़ाके की ठंड पड़ रही हो, लेकिन आम चुनाव के परिणाम ने अचानक मौसम को गरमा दिया है। वहां राजनीति इतिहास का नया पन्ना लिखा जाएगा, क्योंकि सियासत की नई सुबह का आगाज हुआ है। चुनाव का ऐसा रिजल्ट, जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने भी नहीं सोचा होगा। ब्रिटेनवासियों ने एकतरफा फैसला विपक्ष के हक में सुना डाला। चुनाव में विजय हासिल करने वाली लेबर पार्टी ने ब्रिटेन के सियासी इतिहास में पूर्व में जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले। रिजल्ट देखकर पार्टी प्रमुख कीर स्टार्मर फूले नहीं समा रहे। समाना चाहिए भी नहीं। आखिर उनका सपना जो सच हो रहा है। प्रधानमंत्री का ताज उनके सिर पर सजेगा। ब्रिटेन की नेशनल असेंबली में अभी तक वह नेता विपक्ष की भूमिका में थे। विपक्ष के तौर पर उन्होंने जो जनकल्याणी मुद्दे कुरेदे। उनको देशवासियों ने पसंद किया। चुनावी समर में उन्होंने जनता से जो जमीनी वादे किए, उन्हें देश के मतदाताओं ने सिर आंखों पर उठाया। जनता ने आंख मूंदकर विश्वास किया। फिलहाल उन सभी वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी अब नए सरताज के कंधों पर है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन उन्हें खुद पर उम्मीद है कि चुनौतियों का सामना कर लेंगे।

भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था। शायद ऐसा करना उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि उन्होंने भी ऋषि सुनक से किनारा कर लेबर पार्टी को वोट किया। भारतीयों ने ऋषि सुनक को क्यों नकारा इसकी समीक्षा लंदन से लेकर भारत में खूब हो रही है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक बेशक अपनी संसदीय नॉर्थलेरटन सीट से जीते हों। पर, बहुत कम अंतर से? उनकी समूची पार्टी बुरी तरह से हारी है। विपक्ष की ऐसी सुनामी जिसमें मानो सत्तापक्ष असहाय होकर बह गया हो। ऋषि सुनक भी मात्र 23,059 वोटों से ही जीते हैं। वरना, शुरूआती रुझानों में उनकी भी हालत पतली थी। दो राउंड तक पीछे रहे।

ताज्जुब वाली बात ये है कि नॉर्थलेरटन वह क्षेत्र है, जहां सुनक स्वयं रहते हैं और भारतीयों की संख्या भी अच्छी-खासी है। बाकायदा उनके घर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा भारतीय तीज-त्यौहारों पर लोगों को जुटना होता हैं। ऐसे मौकों पर तरह-तरह के भारतीय व्यंजन पकते हैं। पर वो लोग और समर्थक भी उनसे छिटक गए। ऋषि के ज्यादातर मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ प्रमुख नेता भी चुनाव में चित हो गए। कइयों की तो जमानत भी जब्त हुई हैं। ब्रिटेन और भारत के मौजूदा चुनाव ने एक बात यह बता दी है कि मतदाताओं के मिजाज को पढ़ना अब आसान नहीं। कोई नेता या दल इस मुगालते में न रहे कि फला समुदाय या मतदाता उनका है।

बहरहाल, ब्रिटेन में चुनाव नतीजे एग्जिट पोल के मुताबिक ही रहे। कुल सीटें 650 हैं जिनमें एग्जिट पोल में लेबर पार्टी को 410 सीट मिलने का अनुमान था। नतीजों को लेबर पार्टी चमत्कार मान रही है। जैसे, दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों को देखकर खुद अरविंद केजरीवाल हक्के-बक्के रह गए थे। लेबर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पार के साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनावी मुद्दे कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक घिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें पहला कोरोना में व्यवस्थाओं का चरमराना, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ नीचे खिसक जाना। इन दोनों मुद्दों को लेबर पार्टी ने अपना चुनावी कैंपेन बनाया था। भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हितों की अनदेखी करने का मुद्दा भी चुनाव में खूब उछला।

ब्रिटेन की नई हुकूमत के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे? इस सवाल के अलावा बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर भारतीयों का सुनक के प्रति मोहभंग हुआ क्यों? ऋषि के भारतीय मूल के होने पर प्रवासी भारतीयों को उन पर गर्व होता था। पर, जब वोटिंग का समय आया, तो ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीयों ने इमोशनल एंगल की जगह बदलने के लिए मतदान किया। दरअसल इसे कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के 14 साल के शासन से उपजी निराशा मानी जा रही है। वैसे, दिल पर लेने की जरूरत इसलिए भी नहीं है, राजनीति में हार-जीत कोई बड़ी बात नहीं। बदलाव होते रहते हैं और होने भी चाहिए। किसी एक व्यक्ति या दल के पास सत्ता की चाबी ज्यादा समय तक जनता रखना भी नहीं चाहती। हमारे यहां संपन्न लोकसभा चुनाव में भी दुनिया ने चमत्कारी बदलाव देखें। हालांकि, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए लंदन वासियों से माफी मांगते हुए लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को दिल खोलकर बधाई दी है। राजनीतिक लोगों में ऐसे नैतिकता हमेशा रहनी चाहिए।

लेबर पार्टी की यह जीत उम्मीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। नई सरकार पर उम्मीदों का पहाड़ है। चरमराई अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती के अलावा विभिन्न देशों के साथ संबंध सुधारने की परीक्षा भी है। लेबर पार्टी को सरकार को नए किस्म के आतंकवाद से निपटना, अमेरिका की बिलावजह दखलदांजी को रोकना, ऊर्जा स्त्रोतों को स्थानीय स्तर पर खोजना, गैस और प्राकृतिक संसाधनों का उत्सर्जन करना, यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद बिगड़े कई मुल्कों से संबंधों को फिर से नई धार देना भी होगा। भारत के साथ मधुर हुए संबंधों को यथावत रखना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। हालांकि स्टॉर्मर ने अपने पहले विजयी भाषण में सिर्फ अपने मुल्कवासियों को संदेश दिया है।उन्होंने कहा है कि ह्यमैं आपकी आवाज बनूंगा, आपका साथ दूंगा, हर दिन आपके लिए लड़ूंगा। उनके कहे उन शब्दों पर जनता ने खूब तालियां बजाई हैं। लंदन का एक तिहाई समर्थन उनके पक्ष में है। इस जनादेश और जनसमर्थन को सहेजना भी कठिन परीक्षा जैसा रहेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

सावधानी की जरूरत

देश के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चन्द्रचूड़ ने बाजार नियामक सेबी और सैट को शेयर बाजारों में उल्लेखनीय उछालों के बीच सावधानी बरतने की सलाह दी। अधिक न्यायाधिकरण पीठों की वकालत करते हुए स्थिर नींव सुनिश्चत करने की बात भी उन्होंने बात कही। सीजेआई मुंबई में नये प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण यानी सैट परिसर का उद्घाटन भाषण कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से सैट की नई पीठें खोलने का अग्रह भी किया क्योंकि अब अधिक मात्रा में लेन-देन और नये नियमों के कारण कार्यभार बढ गया है। उनके अनुसार, शेयर बाजार में जितनी तेजी देखी जाएगी, सेबी और सैट की भूमिका उतनी ही अधिक होगी। सेबी और सैट जैसे संस्थानों को बढ़ावा देने के पीछे उन्होंने अत्यधिक राष्ट्रीय महत्त्व बताया। प्रधान न्यायाधीश जिस वक्त यह सुझाव दे रहे थे, ऐन उसी समय बाजार में जबरदस्त तेजी देखी जा रही थी और बीएसई सेंसेक्स नये शिखर यानी अस्सी हजार को पार कर रहा था। यह अपने आपमें रिकार्ड शिखर है। शेयर बाजार और निवेश को लेकर युवाओं में गजब का उत्साह देखने में आ रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई के अनुसार इस वर्ष जनवरी तक निवेशकों की संख्या 87 मिलियन तक पहुंच चुकी थी। महामारी के बाद से इन नये निवेशकों के बढ़ते रुझान को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि उन्हें भ्रम है कि इससे हर स्थिति में मुनाफा होता रहेगा। भारतीय कंपनियों का मुनाफा अच्छा होने के बावजूद यह कभी भी लुढ़क सकता है। कई बार अचानक किसी आर्थिक गड़बड़ी के चलते घरेलू बाजार अप्रत्याशित रूप से धड़ाम भी हो जाता है। वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय बाजारों का भी इस पर सीधा असर होता है। शेयर बाजार में होने वाले घोटाले और हेराफेरी पर कड़ी नजर रखी जाने के बावजूद आनन-फानन भारी मुनाफा कमाने के लोभ से मुकरा नहीं जा सकता। ऐसे में सेबी और सैट की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। खासकर छोटे निवेशकों के भरोसे को ये अप्रत्यक्ष तौर पर बढ़ाने का काम करती हैं। देश तभी आगे बढेगा, जब वह आर्थिक रूप से समृद्ध होता रहेगा और लोगों का विश्वास बढ़ता रहेगा जिसके लिए सावधानी बेहद जरूरी है।

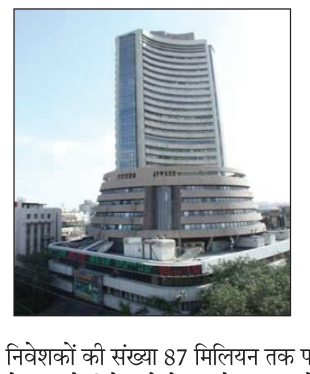

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

विश्व जनसंख्या दिवस: बढ़ती जनसंख्या, असीमित चुनौतियां

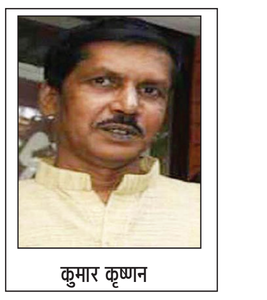

कुमार कृष्णन

आज 11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाया जाता है। जनसंख्या दिवस की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र संघ के विकास कार्यक्रम के तहत 1987 में की गयी थी उस साल विश्व की जनसंख्या 5 बिलियन थी और और आज 37 वर्ष बाद विश्व की जनसंख्या 2024 मैं 8,119 करोड़ जनसंख्या हैं।

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत इस साल के मध्य तक चीन को पीछे छोड़ दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। इस साल के मध्य तक भारत की आबादी 142 करोड़ 86 लाख पहुंचने की उम्मीद है जो चीन की 142 करोड़ 57 लाख की आबादी से 29 लाख ज्यादा होगी। साल 2011 के बाद से भारत में जनगणना नहीं हुई है, इसलिए इस वक्त भारत की जनसंख्या क्या है, इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन साल 2020 में नेशनल कमीशन ऑन पॉपुलेशन ने जनसंख्या के अनुमानों पर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया कि साल 2011 और 2036 के बीच के 25 सालों में भारत की जनसंख्या 121 करोड़ दस लाख से बढकर 152 करोड़ 20 लाख हो जाएगी। इसका नतीजा ये होगा कि जनसंख्या का घनत्व 368 से बढकर 463 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। लेकिन जानकारों का कहना है कि भारत में ज्यादा लोग पहले के मुकाबले लम्बी उम्र तक जी रहे हैं और देश में कम बच्चे पैदा हो रहे हैं जिसकी वजह से भारत की जनसंख्या की वृद्धि दर नीचे जा रही है। वृद्धि दर के घटने के बावजूद भारत की जनसंख्या का बढ?ा जारी है और अगले कई सालों तक जारी रहेगा। ऐसी स्थिति में देश के सामने जो चुनौतियां पेश होंगी, उनका प्रभाव नकारा नहीं जा सकता है। लगातार बढ़ती जनसंख्या वैश्विक परिदृश्य में यह विषय चिंता का सबब बन गया है। सबसे बड़ी चुनौती प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव है। इन प्राकृतिक संसाधनों में जमीन, पानी, जंगल और खनिज शामिल हैं। धरती पर ये जो संसाधन हैं ,वे निश्चित तौर पर सीमित हैं। ऐसे में प्रश्न उठना स्वभाविक है कि क्या इतने सीमित संसाधनों से इतनी बड़ी आबादी का भरण -पोषण किया जा सकता है ? ऐसे अनेक प्रश्न अपना उत्तर मांगते नजर आते हैं।

जनसंख्या के बढ? की वजह से इन संसाधनों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल होता है।

जनसंख्या की वृद्धि से अनेक समस्याएं खड़ी हो रही हैं, क्योंकि जिसकी वृद्धि हो रही है, वह कोई निर्जीव वस्तु नहीं है, सजीव इंसान है। इंसान की अपनी आवश्यकताएं होती हैं। उसकी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक जरूरतें होती हैं। उसे जीवन जीने के तमाम संसाधन चाहिए।

नतीजतन कृषि उत्पादकता और पानी की कमी के साथ पर्यावरण में गिरावट होने की सम्भावना बढ़ जाती है। बढ़ती आबादी के कारण आवास, परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षण सुविधाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे का विस्तार करने की जरूरत भी बढ़ जाती है। एक बहुत बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करना एक मुश्किल काम बन जाता है और आबादी का एक बड़ा हिस्सा बदहाल हालात में जीने के लिए मजबूर हो सकता है। एक बड़ी आबादी की वजह से काम करने की क्षमता रखने वाले लोगों की एक बड़ी संख्या भी खड़ी हो जाती है। इस बड़ी संख्या को रोजगार उपलब्ध करवाना एक बड़ी चुनौती के तौर पर उभरता है। आज भी भारत में बेरोजगारी एक ज्वलंत समस्या है। लगातार बढ़ रही जनसंख्या की वजह से यह समस्या भविष्य में विकराल रूप ले सकती है। रोजगार की कमी आर्थिक असमानता और गरीबी को बढ़ाने का काम काम कर सकती है जिससे सामाजिक अशांति फैल सकती है। शिक्षा और एक बड़ी आबादी को शिक्षित और कुशल बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि समय के साथ जितने लोगों को शिक्षित और कुशल बनाने की जरूरत होगी उतनी क्षमता शैक्षणिक संस्थानों के पास शायद नहीं होगी। इसका सीधा परिणाम ये हो सकता है कि बहुत से लोग अच्छी शिक्षा हासिल नहीं कर पाएंगे और बहुत से लोगों के पास जो कौशल होगा वो नौकरी के बाजार से मेल नहीं खाएगा। बढ़ती जनसंख्या की वजह से गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की संख्या बढ़ सकती है। साथ ही आमदनी की असमानता भी बढ? का खतरा है। एक बड़ी चुनौती गरीबी कम करने की कोशिशों को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने की भी होगी। कुल मिलाकर लोगों के जीवन स्तर और स्वास्थ्य और शिक्षा तक उनकी पहुंच में गहरी असमानताएं पैदा हो सकती हैं।

बढ़ती जनसंख्या का सीधा असर पर्यावरण पर भी पड़ेगा। वनों की कटाई, वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण पर्यावरण की रक्षा के लिए बड़ी चुनौतियों के तौर पर उभर सकते हैं। वृद्धि दर के घटने के बावजूद भारत की जनसंख्या का बढ?ा जारी है और अगले कई सालों तक जारी रहेगा। ऐसे में सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती लोगों के लिए प्रभावी नीतियां और योजनाएं बनाना और उन्हें लागू करना होगा। भारत की बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर सरकारों के लिए ऐसी नीतियां और योजनाएं बनाना और मुश्किल हो जाएगा जो ये सुनिश्चित करें कि संसाधनों का वितरण बराबरी से हो और सामाजिक व आर्थिक विषमता को दूर किया जा सके। बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी एक बड़ी चिंता ये जताई जाती है कि इससे कई किस्म की सामाजिक चुनौतियां सामने आ सकती हैं। एक बड़ी आबादी भीड़भाड़ को तो बढ़ाएगी ही, साथ ही शहरीकरण को भी बढ़ावा देगी जिसकी वजह से अपराधों में बढ़ोतरी आ सकती है और काानून-व्यवस्था कायम रखना मुश्किल हो सकता है? इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि एक बड़ी आबादी पर्यावरण और संसाधनों पर दबाव डालती है। यही कारण है कि जनसंख्या को लेकर इतना चिंताजनक विमर्श हो रहा है। हालांकि इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि भारत लंबे समय से दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा है और भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने ही वाला था। तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। भारत की बढ़ती जनसंख्या को लेकर तरह-तरह की चिंताएं जताई जा रही हैं। तो क्या किसी देश के लिए कोई आदर्श जनसंख्या होनी चाहिए? किसी भी देश के लिए कोई आदर्श जनसंख्या आकार नहीं है। जब आप जनसंख्या की बात करते हैं तो आप लोगों की बात करते हैं और लोग नंबरों से पहले आते हैं, इसलिए संख्या को लोगों से ज्यादा महत्त्व देना मानवाधिकार आधारित दृष्टिकोण नहीं होगा ज्यादा जरूरी यह है कि इस बारे में सवाल पूछे जाएं कि क्या लोगों का स्वास्थ्य अच्छा है, क्या उनके पास सही अवसर हैं, क्या वे पर्याप्त शिक्षित हैं। चर्चा का एक और विषय भारत की प्रजनन दर को लेकर भी है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार भारत के सभी धार्मिक समूहों में प्रजनन दर कम हो रही है। जनसंख्या को केवल प्रजनन दर से जोड? का मतलब ये है कि सारा बोझ महिलाओं पर डाला जा रहा है।

भारत में 25 साल से कम उम्र के लोगों की आबादी कुल आबादी का करीब 40 फीसदी है। वहीं देश की करीब आधी आबादी की उम्र 25 से 64 साल के बीच है। भारत की बुजुर्ग होती आबादी (65 साल से ऊपर) कुल आबादी का महज 7 फीसदी है। लेकिन चूंकि भारत की जनसंख्या वृद्धि दर गिर रही है तो इस बात की चिंताएं बढ़ गई हैं कि आने वाले दशकों में भारत की आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा बुजुर्ग लोगों का होगा। अगर एक औसत भारतीय की उम्र आज 28 वर्ष है तो 30 वर्षों में एक औसत भारतीय 58 वर्ष का होगा।

पुलों का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

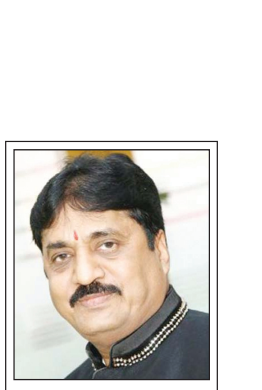

ललित गर्ग

बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली हैं। जैसी खबरें हैं, अकेले बुधवार, यानी 3 जुलाई को ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में पांच पुल-पुलिया धराशायी हो गए। इनमें सिवान में छाड़ी नदी पर बने दो पुल शामिल हैं। इससे पहले दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान है। इस हादसे के कारण अनेक वाहन क्षतिग्रस्त हुए एवं एक व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हुए थे। सभी को इस बात की हैरानी हो रही है कि देश के सबसे प्रमुख हवाईअड्डे पर इस तरह का हादसा कैसे हो सकता है? मुंबई में भी घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। इन पुलों के गिरने एवं अन्य सरकारी निमाणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चाहे राजनीति की हो, सामाजिक हो, पारिवारिक हो, धार्मिक हो, औद्योगिक हो, शैक्षणिक हो, चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। पुल के गिरने से जितने पैसों की बबार्दी हुई, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? बिहार में पुल गिरने की ताजा घटनाएं कोई पहली नहीं है। इससे पहले पिछले साल भर में सात पुलों के ढह जाने की खबरें आईं थी।

जाहिर है, इन पुलों के ढहने एवं गिरने से कई गांवों का आपस में सीधा संपर्क टूट गया है और मानसून के मौसम में उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। बरसात के मौसम में जर्जर ढांचों के गिरने की घटनाएं ज्यादा घटती हैं और इसीलिए सभी राज्यों में स्थानीय प्रशासन मानसून आने से पहले ही उनकी पहचान कर उनका इस्तेमाल प्रतिबंधित कर देता है। मगर पुल कोई रिहाइशी इमारत नहीं, जिसमें चंद परिवार या कुछ लोग रहते हों, और जिसे एहतियातन खाली करा लिया जाए। ये पुल ग्रामीण लोगों के जीवन की अनिवार्यता एवं जीवनरेखाएं हैं। उच्च तकनीक और प्रौद्योगिकी के मौजूदा समय में उच्च लागत के बावजूद छोटी नदियों और नहरों पर बनने वाले पुल भी यदि चंद वर्षों में या बनते ही धराशायी हो जाएं, तो इसको कुदरती कहर का नतीजा नहीं, आपराधिक मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार एवं सरकारी धन का दुरुपयोग ही मानना चाहिए। बिहार में सिवान की जिस नदी पर दो पुलों के ढहने की घटना घटी है, वह मृत हो चुकी थी और उसे जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत पुनर्जीवित किया गया था। निस्संदेह, इसके लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन सराहना के पात्र हैं। आखिर इस नदी के जिंदा होने से हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई को बल मिला है। मगर क्या उसी तंत्र को यह भी नहीं सुनिश्चित करना चाहिए था कि जो पुल जर्जर अवस्था में हैं, उनका विकल्प भी साथ-साथ तैयार किया जाए? इस तरह बार-बार पुलों का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। ये पुल हादसें एवं ध्वस्त होने की घटनाएं बिहार में सरकारी भ्रष्टाचार के चरम पर होने को ही बल देती है। ऐसा नहीं है कि बिहार में ही ऐसे हादसें हो रहे हैं। गुजरात के मोरबी पुल हादसे को लोग अब भी नहीं भूले हैं। इस हादसे में 135 लोगों की मौत हो गई थी। सात साल पहले कोलकाता में विवेकानंद पुल के ढहने से 26 लोगों की मौत की घटना भी सबको याद होगी। सिर्फ बिहार में पुलों का यूं ढहते जाना ही चिंता की बात नहीं है, दूसरे तमाम राज्यों से भी चमचम सड़कों पर बनते गड्ढ़ों और नए निर्माण के दरकने की खबरें लगभग रोजाना सुर्खियां बटोर रही हैं। इसलिए बेहतर होगा कि तमाम सार्वजनिक निर्माण में पारदर्शिता, ईमानदारी एवं आधुनिक स्थापित मानकों की गारंटी सुनिश्चित की जाए और इसमें किसी किस्म की कोताही बरतने वाले की जिम्मेदारी तय हो। देश भर में तमाम पुराने पुलों की समीक्षा के साथ-साथ उनके रखरखाव या वैकल्पिक पुल के निर्माण को लेकर ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

इतना तय है कि ये सभी पुल अगर भरभरा कर गिर रहे हैं तो इनकी डिजाइन गलत होने से लेकर उसमें उपयोग होने वाली सामग्री के घटिया होने का भी साफ संकेत है। लेकिन जिस तरह सरकार इन एवं ऐसे पुलों की गुणवत्ता और जोखिम का अध्ययन करा रही थी, क्या उसके निर्माण के दौरान या उससे पहले डिजाइन सहित उसके हर कसौटी पर बेहतर होने के लिए जांच कराना सुनिश्चित नहीं कर सकती थी? यह तय है कि इन पुलों के निर्माण में व्यापक खामियां थीं और वे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये। सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को पुल निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता?

देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। हादसों का एक बड़ा कारण जांच में दोषी और जिम्मेदार ठहराए गए अधिकारियों एवं ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का न होना भी है। बिहार, दिल्ली, मुम्बई, गुजरात हादसों के दोषियों को बचाने के प्रयास भी सबके सामने हुए हैं। हर हादसे के बाद लीपापोती के प्रयास खूब होते हैं। हादसे में मरने वालों के परिजनों को मुआवजा बांटकर ही अपनी जिम्मेदारी पूरी समझने वाली सरकारों को इससे आगे बढ़ना होगा। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है।

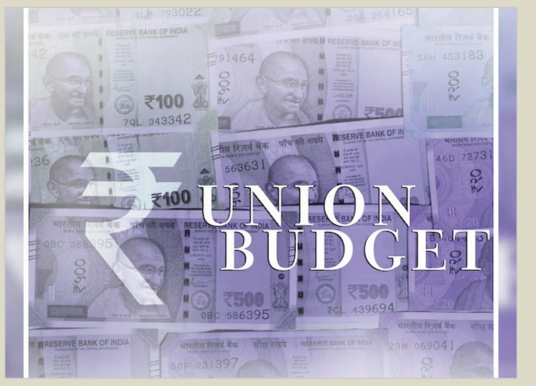

बजट में कर छूट, प्रभावी आईपीआर व्यवस्था मिलना चाहिए: फार्मा उद्योग

नई दिल्ली । घरेलू फार्मास्युटिकल उद्योग का कहना है कि सरकार आगामी बजट में क्षेत्र में शोध एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने के लिए कॉरपोरेट कर में रियायत दे और एक प्रभावी बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) व्यवस्था स्थापित करने के लिए कदम उठाए। इससे देश में फार्मा उद्योग की वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा। ऑर्गेनाइजेशन ऑफ फार्मास्युटिकल प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया (ओपीपीआई) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बजट को लेकर उद्योग की मांग रखते हुए कहा कि सरकार शोध एवं विकास को बढ़ावा देने के कदम उठाए। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों को शोध एवं विकास से संबंद्ध प्रोत्साहन दिए जाएं और क्षेत्र को कॉरपोरेट कर में रियायतें प्रदान की जाएं। उन्होंने कहा` कि ऊंचे जोखिम की वजह से हमारा सुझाव है कि आयकर कानून, 1961 की धारा 115बीएबी का दायरा ऐसी कंपनियों तक बढ़ाया जाए, जो सिर्फ फार्मा शोध एवं विकास में लगी हैं। ऐसी कंपनियों को शोध एवं विकास खर्च पर 200 प्रतिशत की कटौती दी जाए।

एम3एम इंडिया गुरुग्राम में बनाएगी 350 अपार्टमेंट

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी एम3एम इंडिया ने गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर एक नयी आवासीय परियोजना एम3एम एल्टीट्यूड शुरू की है, जहां वह 350 विशिष्ट अपार्टमेंट बनाएगी। एम3एम इस चार एकड़ की परियोजना को विकसित करने के लिए 1,200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जबकि बिक्री से अनुमानित राजस्व करीब 4,000 करोड़ रुपये है। कंपनी इस परियोजना में 10 करोड़ रुपये से लेकर 30 करोड़ रुपये की कीमत वाले अपार्टमेंट बेच रही है। कंपनी ने कहा कि वह पहले ही 1,875 करोड़ रुपये में करीब 180 इकाइयां बेच चुकी है। एम3एम समूह के अध्यक्ष सुदीप भट्ट ने कहा कि एल्टीट्यूड परियोजना के लिए ग्राहकों की काफी दिलचस्पी देखने को मिल रही है।

यूपी में आवास विभाग ने बदले नियम, छोटे होटल खोलना होगा आसान

- पर्यटन को मिलेगा प्रोत्साहन, छोटे होटल खोलने जमीन के न्यूनतम क्षेत्रफल की बाध्यता नहीं

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कुछ सु विधाएं प्रदान कर रही है। आवास विभाग ने नियमों में परिवर्तन करते हुए छोटे होटल खोलना आसान बना दिया है। इससे पहले प्रदेश सरकार ने पुरानी हवेलियों, भवनों व घरों को होटल एवं होम स्टे में परिवर्तित करने के लिए रियायत दी थीं। प्रदेश सरकार के आवास विभाग ने भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2008 में संशोधन करते हुए छोटे होटल बनाने के लिए जरूरी क्षेत्रफल की बाध्यता को खत्म कर दिया है। वहीं बड़े होटलों के निर्माण के लिए भी जरूर जमीन की सीमा को घटाकर आधा कर दिया है। पहले जहां 20 कमरों से अधिक तादाद वाले होटल बनाने के लिए न्यूनतम 10000 वर्गफुट के भूखंड की बाध्यता थी वहीं अब इसे घटाकर 5000 वर्गफुट कर दिया गया है। प्रदेश सरकार के मुताबिक अब 6 से लेकर 20 कमरों तक का होटल खोलने के लिए जमीन के न्यूनतम क्षेत्रफल की बाध्यता नहीं रहेगी। हालांकि 10000 वर्गफुट के निर्माण पर होटल स्वामी के लिए कार पार्किंग की जगह छोड़ना अनिवार्य कर दिया गया है। भवन निर्माण एवं विकास उपविधि में संशोधनों के साथ जारी शासनादेश में होटल निर्माण के लिए आगे व पीछे जगह छोड़ने का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। आदेश में विकसित कालोनियों में आवासीय भूखंडों पर होटल नहीं खोला जा सकता है। संशोधनों को सभी विकास प्राधिकरण अपने-अपने निदेशक मंडल के अनुमोदन के बाद लागू करेंगे। सभी गैर आवासीय क्षेत्रों में केवल 12 मीटर चौड़ी सड़क पर ही होटल बनाए जा सकेंगे। आदेशों के मुताबिक 15 मीटर ऊंचाई के होटलों में आगे पांच मीटर पर पीछे तीन मीटर का क्षेत्र खुला छोड़ना होगा जबकि दोनो तरफ यहा सीमा तीन मीटर की होगी।

टमाटर की बढ़ती कीमत पर सरकार अलर्ट, जल्द मिलेगी राहत

- दक्षिणी राज्यों से ताजा फसल जल्द ही बाजारों में आने की संभावना

नई दिल्ली ।

बरसात शुरू होने के साथ एक बार फिर से सब्जियों की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। इसमें प्याज-टमाटर ने तो रसोई का बजट ही बिगाड़ दिया है। दिल्ली, कानपुर और कोलकाता सहित कई शहरों में टमाटर 70 से 90 रुपये किलो बिक रहा है। इस बढ़ी कीमत पर सरकार भी अलर्ट हो गई है और आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए उपाय में जुट गई है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही ये कीमतें कम हो सकती हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों से ताजा फसल जल्द ही बाजारों में आने वाली है, जिससे कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। मंत्रालय ने इसके साथ ही कहा है कि अच्छी बारिश के कारण प्रमुख सब्जियों की गर्मियों की बुवाई तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने मानसून में देरी और तेज तापमान के बाद भारी बारिश ने सब्जियों की सप्लाई को कई जगह रोक दिया है। वैसे जून और जुलाई के महीने में टमाटर महंगे हो भी जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कारोबारियों का कहना है कि तेज लू के कारण टमाटर सहित कई सब्जियां खेत में ही खराब हो गईं, जिस कारण इस बार ये इतना महंगा हो गया। उन्होंने कहा कि किसानों को कोई मुनाफा नहीं हो रहा, क्योंकि गर्मी के कारण फसल बहुत तेजी से खराब हो गई। वहीं दिल्ली की आजादपुर थोक मंडी के एक अधिकारी ने

कहा कि प्याज की सप्लाई खत्म हो गई है और फिलहाल सिर्फ हिमाचल प्रदेश से टमाटर की सप्लाई हो रही है। हालांकि अब उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कीमतें जल्द ही कम होने की उम्मीद जताई है। मंत्रालय ने कहा कि आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कर्नाटक के कोलार जैसी जगहों पर टमाटर की अच्छी फसल हुई है। बयान में कहा गया है कि कोलार में टमाटर चुनना शुरू हो गया है और कुछ दिनों में बाजार में दस्तक देने लगेगा। इसके बाद हफ्तेभर में ही कीमतें कम हो जाएंगी।

भारत में रिज़्टा की डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली ।

भारत में एथर एनर्जी ने रिज़्टा ई-स्कूटर की डिलीवरी शुरू कर दी है। स्कूटर की डिलीवरी अभी चुनिंदा शहरों में की जा रही है। सीईओ तरूण मेहता ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान किया है। फिलहाल यह डिलीवरी,अहमदाबाद, दिल्ली, लखनऊ, आगरा, जयपुर, नागपुर और आंध्र प्रदेश में शुरू हुई है। जल्द ही कंपनी अन्यों शहरों में भी इसकी डिलीवरी शुरु करेगी। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में दो बैटरी पैक दिए गए हैं। पहला 2.9 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जो सिंगल चार्ज पर 105 किमी की रेंज और दूसरा 3.7 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक 125 किमी की रेंज देने का दावा करता है।इस स्कूटर को आईपी67 की मानक रेटिंग भी मिली हुई है।अथेर रिज्टा में टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल के साथ टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, पार्क असिस्ट, ऑटो हिल होल्ड जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसमें स्मार्ट ईको और जिप मोड मिलते हैं। अथेर रिज्टा 0-40 केएमपीएच की स्पीड 3.7 सेकंड में हासिल कर सकता है। इसकी टॉप स्पीड 80 किमी/प्रतिघंटा है।

जियो ने ग्राहकों को दी राहत, 51 रुपए में मिलेगा अनलिमिटेड 5जी डेटा

नई दिल्ली । हाल ही में देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने अपने कुछ रिचार्ज प्लान में बढ़ोतरी की है। जिसके बाद अब कंपनी ने अपने ग्राहकों को बड़ी राहत दी है। जियो ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए तीन नए डेटा बूस्टर प्लान्स पेश कर दिए हैं। अगर आपका डेली डेटा प्लान खत्म हो गया है तो आप इन प्लान्स को ले सकते हैं। जियो का सबसे सस्ता प्लान 5जी डाटा बूस्टर प्लान 51 रुपये का है। यह प्लान 4जी यूजर्स को 3जीबी अतिरिक्त डाटा देता है। साथ ही इसकी वैलिडिटी ऐक्टिव प्लान जितनी होती है। जिन यूजर्स ने 30 दिनों तक वैलिडिटी वाले 1.5जीबी डेली डाटा वाले प्लान से रीचार्ज कर रखा है, वे अनलिमिटेड 5जी का लुत्फ उठाने के लिए इस प्लान से रीचार्ज कर सकते हैं। इस लिस्ट में दूसरा प्लान 101 रुपये का है। इस प्लान में अनलिमिटेड 5जी स हित 6जीबी डेटा दिया जा रहा है। इसकी वैलिडिटी भी एक्टिव प्लान के साथ खत्म होगी। हालांकि इस प्लान को वही लोग ले सकते हैं जिन्होंने 2 महीने की वैलिडिटी वाले 1.5जीबी डेटा या फिर 1जीबी डेली डेटा वाले प्लान को लिया होगा। जियो के इस प्लान की वैलिडिटी आपके एक्टिव प्लान के बराबर होगी। अगर आपको अधिक डेटा की जररूत है तो आप जियो का नया 151 रुपये वाला डेटा बूस्टर प्लान ले सकते हैं। इस प्लान में आपको 9जीबी डेटा मिलता है। इसके साथ में कंपनी ग्राहकों को अनलिमिटेड 5जी डेटा भी ऑफर कर रही है। इस प्लान को भी सिर्फ वही लोग ले सकते हैं जिनके पास एक से दो महीने वाला प्र ति दिन 1जीबी या फिर 1.5जीबी डेटा मिलता है।

वैश्विक रुख और कंपनी के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होंगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पहली तिमाही के पे रिणाम भी आएंगे जो बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सप्ताह की रिकॉर्ड तेजी के बाद स्थानीय बाजारों में कुछ नरमी दिख सकती है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों का सत्र इस सप्ताह शुरू हो रहा है। 11 जुलाई को टीसीएस और 12 जुलाई को एचसीएल टेक्नोलॉजीज के तिमाही नतीजे आएंगे। इसके अलावा सरकार 23 जुलाई को 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। शेयर बाजार के लिए यह एक प्रमुख घटनाक्रम होगा। बाजार को उम्मीद है कि सरकार बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों की घोषणा करेगी। साथ ही मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। साथ ही कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का

परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े, औद्योगिकी उत्पादन के आंकड़े, फेडरल रिजर्व प्रमुख का संबोधन, ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े, अमेरिका के उपभोक्ता मुद्रास्फीति तथा बेरोजगारी दावे के आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का सत्र शुरू हो रहा है। आईटी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस से इसकी शुरुआत हो रही है। बाजार बेहतर नतीजों की उम्मीद कर रहा है। निवेशकों की निगाह क्षेत्र के परिदृश्य को लेकर प्रबंधन की टिप्पणी पर रहेगी। इस सप्ताह पहली तिमाही के नतीजों की वजह से हम शेयर और क्षेत्र विशिष्ट गतिविधियां देखेंगे। इसके अलावा निवेशकों की निगाह भारत, अमेरिका और चीन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी रहेगी। उन्होंने कहा कि आगे चलकर बाजार की दिशा काफी हद तक कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.83 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक फायदे में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस रहीं

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में 1,83,290.36 करोड़ रुपये की तेजी देखी गई। सबसे अधिक फायदे में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की कंपनियां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 38,894.44 करोड़ रुपये बढ़कर 14,51,739.53 करोड़ रुपये हो गया। सबसे अधिक लाभ में टीसीएस ही रही। इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 33,320.03 करोड़ रुपये जोड़े और इसका बाजार पूंजीकरण 6,83,922.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 32,611.36 करोड़ रुपये बढ़कर 21,51,562.56 करोड़ रुपये हो गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 23,676.78 करोड़ रुपये बढ़कर 8,67,878.66 करोड़ रुपये हो गया।भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 16,950.99 करोड़ रुपये बढ़कर 6,42,524.89 करोड़ रुपये पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 16,917.06 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,98,487.89 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 10,924.13 करोड़ रुपये बढ़कर 5,41,399.95 करोड़ रुपये हो गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 9,995.57 करोड़ रुपये बढ़कर 7,67,561.25 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 26,970.79 करोड़ रुपये घटकर 12,53,894.64 करोड़ रुपये रह गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 8,735.49 करोड़ रुपये घटकर 8,13,794.86 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

अप्रैल-मई में देश का कोयला आयात बढ़कर 5.22 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली ।

देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले दो माह में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 5.3 प्रतिशत बढ़कर 5.22 करोड़ टन रहा है। टाटा स्टील और सेल के संयुक्त उद्यम बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले वित्त वर्ष के अप्रैल और मई माह में कोयला आयात 4.96 करोड़ टन रहा था। हालांकि, मई में कोयला आयात मामूली घटकर 2.61 करोड़ टन रहा है। पिछले साल मई में यह 2.65 करोड़ टन था। मई में कोयला आयात 1.43 प्रतिशत घटा है। एमजंक्शन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मानसून की शुरुआत के कारण आने वाले सप्ताहों में आयात की मांग कम रहने की संभावना है, जबकि घरेलू बाजार में उत्पादन वृद्धि अच्छी रहनी चाहिए। इसके अलावा आपूर्ति की कमी के कारण समुद्री मार्ग से आने वाले कोकिंग कोयले के दाम चढ़ सकते हैं। इससे देश में खरीदारों की रुचि प्रभावित हो सकती है। मई में कुल कोयला आयात में गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 1.75 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले साल मई में यह 1.81 करोड़ टन रहा था। कोकिंग कोयले का आयात मई में 50.3 लाख टन रहा, जो मई, 2023 में 51 लाख टन था। घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है।

एफपीआई ने जुलाई के प्रथम सप्ताह में बाजार में किया 7,962 करोड़ का निवेश

- जून में एफपीआई ने शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये डाले थे

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 7,900 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। आर्थिक मोर्चे पर मजबूती के बीच एफपीआई का भारतीय बाजार के प्रति भरोसा बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक शेयरों में कुल एफपीआई निवेश 1.16 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर कंपनियों के पहली तिमाही की कमाई के आंकड़े और आम बजट से एफपीआई के प्रवाह की दिशा तय होगी। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने पांच जुलाई तक शेयरों में 7,962 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले जून में एफपीआई ने शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये डाले थे। नेत्र रोग विशेषज्ञ हैरान हैं! वहीं चुनाव को लेकर असमंजस की वजह से विदेशी निवेशकों ने मई में शेयर बाजार से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने की चिंता के कारण एफपीआई ने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक निकाले थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि कुछ कोष संभवतः चुनाव संपन्न होने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में एफपीआई प्रवाह की महत्वपूर्ण वजह बाहरी कारक जैसे अमेरिका में बढ़ता बॉन्ड प्रतिफल और अन्य उभरते बाजारों में निचला मूल्यांकन है। समीक्षाधीन

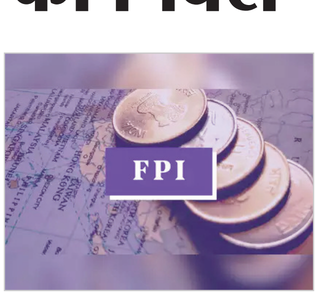

अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में भी 6,304 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस तरह इस साल अब तक एफपीआई बांड बाजार में 74,928 करोड़ रुपये डाल चुके हैं।

जेप्टो बिक्री मामले में डी-मार्ट को पछाड़ सकती है: अधिकारी

- 5-10 वर्षों में 2.4 लाख करोड़ हो सकता है जेप्टो का राजस्व

नई दिल्ली ।

क्विक कॉमर्स यूनिकॉर्न ज़ेप्टो की बिक्री अगले 18-24 महीनों में ऑफलाइन रिटेल दिग्गज डीमार्ट से अे धिक हो सकती है। इसके साथ ही जेप्टो का वार्षिक राजस्व अगले 5-10 वर्षों में 2.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में नई दिल्ली में सातवें जेआईआईएफ फाउंडेशन डे कार्यक्रम के दौरान कहा। उन्होंने कहा कि डीमार्ट एक 30 अरब डॉलर की कंपनी है और हमारी बिक्री उससे सिर्फ 4.5 गुना कम है। यदि हम सही तरीके से काम करने में सक्षम रहते हैं, तो हम हर साल 2-3 गुना बढ़ते रहेंगे और अगले 18-24 महीनों में उसे पछाड़ सकते हैं। यदि हम सही तरीके से काम करते हैं, तो हम इस व्यवसाय को आज की 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की टॉप लाइन से अगले 5-10 वर्षों में संभावित रूप से 2.5 लाख करोड़ रुपये की टॉप लाइन तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी का ध्यान देश के टॉप 40 शहरों के 50-75 मिलियन घरों पर रहेगा, जो देश में किराना और दैनिक आवश्यकताओं की खरीदारी का अधिकांश हिस्सा हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारतीय किराना बाजार वित्त वर्ष 2029 तक 850 अरब डॉलर का होगा, जिसमें से ये घर 400 अरब डॉलर का योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि किराना सभी श्रेणियों से बड़ा है जो अमेजान और फिल्पकार्ट मिलकर सेवा देते हैं। यदि आप इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, फर्नीचर आदि सभी को जोड़ लें और उसे दोगुना भी कर दें, तब भी यह किराना और घरेलू आवश्यकताओं जितना बड़ा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि क्विक-कॉमर्स फर्म ने तीन साल से कम समय में शून्य से 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री हासिल की है, जो फ्लिपकार्ट से भी तेज है, जिसने इसे चार साल में हासिल किया था।

बजट में बुनियादी ढांचा क्षेत्र का दर्जा मिले: होटल उद्योग

- कर छूट या सब्सिडी के रूप में प्रोत्साहन देने पर विचार करना चाहिए

नई दिल्ली ।

आतिथ्य क्षेत्र की कंपनियों का कहना है कि सरकार आने वाले आम बजट में होटल क्षेत्र को बुनियादी ढांचा क्षेत्र का दर्जा प्रदान करे, इससे नई संपत्तियों में निवेश अधिक आकर्षक बन

सकेगा। उनका कहना है कि होटल क्षेत्र की भू मिका देश की वृद्धि में महत्वपूर्ण है और इसे लक्जरी के रूप में वर्गीकृत नहीं करना चाहिए। इसके अलावा सरकार को आतिथ्य क्षेत्र को टिकाऊ और पर्यावरणनुकूल व्यवहार को अपनाने के लिए कर छूट या सब्सिडी के रूप में प्रोत्साहन देने पर विचार करना चाहिए। सरकार आगामी बजट में पर्यटन एजेंडा में तेजी लाने पर ध्यान दे क्योंकि यह देश के आतिथ्य क्षेत्र को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान देने का महत्वपूर्ण इंजन और रोजगार सृजन का जरिया बनाने का बड़ा अवसर है।

भारतीय होटल संघ (एचएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र ऊंचे कराधान के बोझ से दबा है। इसके अलावा लाइसेंस, मंजूरी और अनुपालन की प्रक्रिया भी काफी महंगी बैठती है। इन वजहों से होटल में निवेश जोखिम भरा हो जाता है। निवेश की बेहतर दर के साथ होटल निवेश को और अधिक आकर्षक बनाने और कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने की जरूरत है। आगामी आम बजट में होटल को विलासिता, विशिष्ट या नुकसान वाले उत्पाद के रूप में वर्गीकृत करने की नीति में बदलाव होना चाहिए। देश के दृष्टिकोण-2047 को हासिल करने के लिए यह आतिथ्य क्षेत्र की क्षमता का लाभ उठाने का अवसर है। बजट के लिए एचएआई की प्रमुख नीतिगत सिफारिश यह है कि सरकार होटल क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा दे। एक इंडियन होटल्स के अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा मिलने से निवेश बेहतर हो सकेगा। इससे क्षेत्र देश को 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे पाएगा।

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव कम हुए

- देशी एवं आयातित तेल-तिलहन के भाव में सुधार देखा गया

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग की वजह से सोयाबीन तिलहन की कीमतें कम हुई हैं। दूसरी ओर आयातित सोयाबीन डीगम तेल की जुलाई खेप की कीमत बढ़ने से बाकी सभी देशी एवं आयातित तेल-तिलहन के भाव में सुधार देखा गया। बाजार सूत्रों ने कहा कि जुलाई खेप वाले सोयाबीन डीगम तेल का दाम कांडला बंदरगाह पर 1,040-1,045 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,080-1,085 डॉलर प्रति टन हो गया है।

इसकी वजह से बाकी सभी देशी और आयातित तेलों के दाम में तेजी देखने को मिली है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव पांच रुपये बढ़कर 6,035-6,095 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 75 रुपये बढ़कर 11,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 1,900-2,000 रुपये और 1,900-2,025 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग से समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,570-4,590 रुपये प्रति क्विंटल और 4,380-4,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम के जुलाई शिपमेंट के दाम बढ़ने के कारण सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 150 रुपये, 50 रुपये और 100 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 10,400 रुपये, 10,200 रुपये तथा 8,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

मूंगफली तिलहन 100 रुपये की तेजी के साथ 6,350-6,625 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 320 रुपये की तेजी के साथ 15,200 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 30 रुपये की तेजी के साथ 2,280-2,580 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 100 रुपये की तेजी दर्शाता 8,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

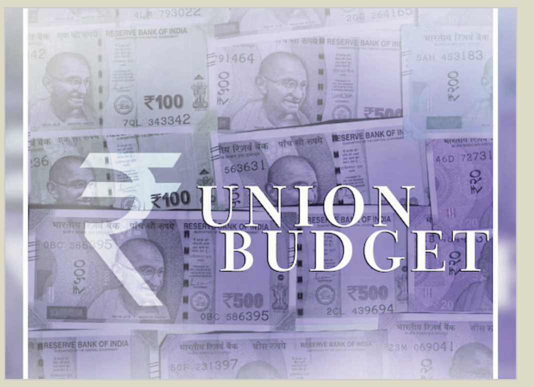

बजट में कर छूट, प्रभावी आईपीआर व्यवस्था मिलना चाहिएः फार्मा उद्योग

नई दिल्ली । घरेलू फार्मास्युटिकल उद्योग का कहना है कि सरकार आगामी बजट में क्षेत्र में शोध एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने के लिए कॉरपोरेट कर में रियायत दे और एक प्रभावी बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) व्यवस्था स्थापित करने के लिए कदम उठाए। इससे देश में फार्मा उद्योग की वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा। ऑर्गेनाइजेशन ऑफ फार्मास्युटिकल प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया (ओपीपीआई) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बजट को लेकर उद्योग की मांग रखते हुए कहा कि सरकार शोध एवं विकास को बढ़ावा देने के कदम उठाए। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों को शोध एवं विकास से संबद्ध प्रोत्साहन दिए जाएं और क्षेत्र को कॉरपोरेट कर में रियायतें प्रदान की जाएं। उन्होंने कहा` कि ऊंचे जोखिम की वजह से हमारा सुझाव है कि आयकर कानून, 1961 की धारा 115बीएबी का दायरा ऐसी कंपनियों तक बढ़ाया जाए, जो सिर्फ फार्मा शोध एवं विकास में लगी हैं। ऐसी कंपनियों को शोध एवं विकास खर्च पर 200 प्रतिशत की कटौती दी जाए।

एम3एम इंडिया गुरुग्राम में बनाएगी 350 अपार्टमेंट

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी एम3एम इंडिया ने गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर एक नयी आवासीय परियोजना एम3एम एल्टीट्यूड शुरू की है, जहां वह 350 विशिष्ट अपार्टमेंट बनाएगी। एम3एम इस चार एकड़ की परियोजना को विकसित करने के लिए 1,200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जबकि बिक्री से अनुमानित राजस्व करीब 4,000 करोड़ रुपये है। कंपनी इस परियोजना में 10 करोड़ रुपये से लेकर 30 करोड़ रुपये की कीमत वाले अपार्टमेंट बेच रही है। कंपनी ने कहा कि वह पहले ही 1,875 करोड़ रुपये में करीब 180 इकाइयां बेच चुकी है। एम3एम समूह के अध्यक्ष सुदीप भट्ट ने कहा कि एल्टीट्यूड परियोजना के लिए ग्राहकों की काफी दिलचस्पी देखने को मिल रही है।

यूपी में आवास विभाग ने बदले नियम, छोटे होटल खोलना होगा आसान

- पर्यटन को मिलेगा प्रोत्साहन, छोटे होटल खोलने जमीन के न्यूनतम क्षेत्रफल की बाध्यता नहीं

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कुछ सु विधाएं प्रदान कर रही है। आवास विभाग ने नियमों में परिवर्तन करते हुए छोटे होटल खोलना आसान बना दिया है। इससे पहले प्रदेश सरकार ने पुरानी हवेलियों, भवनों व घरों को होटल एवं होम स्टे में परिवर्तित करने के लिए रियायत दी थीं। प्रदेश सरकार के आवास विभाग ने भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2008 में संशोधन करते हुए छोटे होटल बनाने के लिए जरूरी क्षेत्रफल की बाध्यता को खत्म कर दिया है। वहीं बड़े होटलों के निर्माण के लिए भी जरूर जमीन की सीमा को घटाकर आधा कर दिया है। पहले जहां 20 कमरों से अधिक तादाद वाले होटल बनाने के लिए न्यूनतम 10000 वर्गफुट के भूखंड की बाध्यता थी वहीं अब इसे घटाकर 5000 वर्गफुट कर दिया गया है। प्रदेश सरकार के मुताबिक अब 6 से लेकर 20 कमरों तक का होटल खोलने के लिए जमीन के न्यूनतम क्षेत्रफल की बाध्यता नहीं रहेगी। हालांकि 10000 वर्गफुट के निर्माण पर होटल स्वामी के लिए कार पार्किंग की जगह छोड़ना अनिवार्य कर दिया गया है। भवन निर्माण एवं विकास उपविधि में संशोधनों के साथ जारी शासनादेश में होटल निर्माण के लिए आगे व पीछे जगह छोड़ने का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। आदेश में विकसित कालोनियों में आवासीय भूखंडों पर होटल नहीं खोला जा सकता है। संशोधनों को सभी विकास प्राधिकरण अपने-अपने निदेशक मंडल के अनुमोदन के बाद लागू करेंगे। सभी गैर आवासीय क्षेत्रों में केवल 12 मीटर चौड़ी सड़क पर ही होटल बनाए जा सकेंगे। आदेशों के मुताबिक 15 मीटर ऊंचाई के होटलों में आगे पांच मीटर पर पीछे तीन मीटर का क्षेत्र खुला छोड़ना होगा जबकि दोनो तरफ यहा सीमा तीन मीटर की होगी।

टमाटर की बढ़ती कीमत पर सरकार अलर्ट, जल्द मिलेगी राहत

- दक्षिणी राज्यों से ताजा फसल जल्द ही बाजारों में आने की संभावना

नई दिल्ली ।

बरसात शुरू होने के साथ एक बार फिर से सब्जियों की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। इसमें प्याज-टमाटर ने तो रसोई का बजट ही बिगाड़ दिया है। दिल्ली, कानपुर और कोलकाता सहित कई शहरों में टमाटर 70 से 90 रुपये किलो बिक रहा है। इस बढ़ी कीमत पर सरकार भी अलर्ट हो गई है और आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए उपाय में जुट गई है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही ये कीमतें कम हो सकती हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों से ताजा फसल जल्द ही बाजारों में आने वाली है, जिससे कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। मंत्रालय ने इसके साथ ही कहा है कि अच्छी बारिश के कारण प्रमुख सब्जियों की गर्मियों की बुवाई तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने मानसून में देरी और तेज तापमान के बाद भारी बारिश ने सब्जियों की सप्लाई को कई जगह रोक दिया है। वैसे जून और जुलाई के महीने में टमाटर महंगे हो भी जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कारोबारियों का कहना है कि तेज लू के कारण टमाटर सहित कई सब्जियां खेत में ही खराब हो गईं, जिस कारण इस बार ये इतना महंगा हो गया। उन्होंने कहा कि किसानों को कोई मुनाफा नहीं हो रहा, क्योंकि गर्मी के कारण फसल बहुत तेजी से खराब हो गई। वहीं दिल्ली की आजादपुर थोक मंडी के एक अधिकारी ने कहा कि प्याज की सप्लाई खत्म हो गई है और फिलहाल सिर्फ हिमाचल प्रदेश से टमाटर की सप्लाई हो रही है। हालांकि अब उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कीमतें जल्द ही कम होने की उम्मीद जताई है। मंत्रालय ने कहा कि आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कर्नाटक के कोलार जैसी जगहों पर टमाटर की अच्छी फसल हुई है। बयान में कहा गया है कि कोलार में टमाटर चुनना शुरू हो गया है और कुछ दिनों में बाजार में दस्तक देने लगेगा। इसके बाद हफ्तेभर में ही कीमतें कम हो जाएंगी।

भारत में रिज़्टा की डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली ।

भारत में एथर एनर्जी ने रिज़्टा ई-स्कूटर की डिलीवरी शुरू कर दी है। स्कूटर की डिलीवरी अभी चुनिंदा शहरों में की जा रही है। सीईओ तरूण मेहता ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान किया है। फिलहाल यह डिलीवरी,अहमदाबाद, दिल्ली, लखनऊ, आगरा, जयपुर, नागपुर और आंध्र प्रदेश में शुरू हुई है। जल्द ही कंपनी अन्यों शहरों में भी इसकी डिलीवरी शुरु करेगी। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में दो बैटरी पैक दिए गए हैं। पहला 2.9 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जो सिंगल चार्ज पर 105 किमी की रेंज और दूसरा 3.7 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक 125 किमी की रेंज देने का दावा करता है।इस स्कूटर को आईपी67 की मानक रेटिंग भी मिली हुई है।अथेर रिज्टा में टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल के साथ टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, पार्क असिस्ट, ऑटो हिल होल्ड जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसमें स्मार्ट ईको और जिप मोड मिलते हैं। अथेर रिज्टा 0-40 केएमपीएच की स्पीड 3.7 सेकंड में हासिल कर सकता है। इसकी टॉप स्पीड 80 किमी/प्रतिघंटा है।

जियो ने ग्राहकों को दी राहत, 51 रुपए में मिलेगा अनलिमिटेड 5जी डेटा

नई दिल्ली । हाल ही में देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायांस जियो ने अपने कुछ रिचार्ज प्लान में बढ़ोतरी की है। जिसके बाद अब कंपनी ने अपने ग्राहकों को बड़ी राहत दी है। जियो ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए तीन नए डेटा बूस्टर प्लान्स पेश कर दिए हैं। अगर आपका डेली डेटा प्लान खत्म हो गया है तो आप इन प्लान्स को ले सकते हैं। जियो का सबसे सस्ता प्लान 5जी डाटा बूस्टर प्लान 51 रुपये का है। यह प्लान 4जी यूजर्स को 3जीबी अतिरिक्त डाटा देता है। साथ ही इसकी वैलिडिटी ऐक्टिव प्लान जितनी होती है। जिन यूजर्स ने 30 दिनों तक वैलिडिटी वाले 1.5जीबी डेली डाटा वाले प्लान से रीचार्ज कर रखा है, वे अनलिमिटेड 5जी का लुत्फ उठाने के लिए इस प्लान से रीचार्ज कर सकते हैं। इस लिस्ट में दूसरा प्लान 101 रुपये का है। इस प्लान में अनलिमिटेड 5जी स हित 6जीबी डेटा दिया जा रहा है। इसकी वैलिडिटी भी एक्टिव प्लान के साथ खत्म होगी। हालांकि इस प्लान को वही लोग ले सकते हैं जिन्होंने 2 महीने की वैलिडिटी वाले 1.5जीबी डेटा या फिर 1जीबी डेली डेटा वाले प्लान को लिया होगा। जियो के इस प्लान की वैलिडिटी आपके एक्टिव प्लान के बराबर होगी। अगर आपको अधिक डेटा की जररूत है तो आप जियो का नया 151 रुपये वाला डेटा बूस्टर प्लान ले सकते हैं। इस प्लान में आपको 9जीबी डेटा मिलता है। इसके साथ में कंपनी ग्राहकों को अनलिमिटेड 5जी डेटा भी ऑफर कर रही है। इस प्लान को भी सिर्फ वही लोग ले सकते हैं जिनके पास एक से दो महीने वाला प्र ति दिन 1जीबी या फिर 1.5जीबी डेटा मिलता है।

वैश्विक रुख और कंपनी के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होंगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पहली तिमाही के पे रिणाम भी आएंगे जो बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सप्ताह की रिकॉर्ड तेजी के बाद स्थानीय बाजारों में कुछ नरमी दिख सकती है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों का सत्र इस सप्ताह शुरू हो रहा है। 11 जुलाई को टीसीएस और 12 जुलाई को एचसीएल टेक्नोलॉजीज के तिमाही नतीजे आएंगे। इसके अलावा सरकार 23 जुलाई को 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। शेयर बाजार के लिए यह एक प्रमुख घटनाक्रम होगा। बाजार को उम्मीद है कि सरकार बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों की घोषणा करेगी। साथ ही मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। साथ ही कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े, औद्योगिकी उत्पादन के आंकड़े, फेडरल रिजर्व प्रमुख का संबोधन, ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े, अमेरिका के उपभोक्ता मुद्रास्फीति तथा बेरोजगारी दावे के आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का सत्र शुरू हो रहा है। आईटी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस से इसकी शुरुआत हो रही है। बाजार बेहतर नतीजों की उम्मीद कर रहा है। निवेशकों की निगाह क्षेत्र के परिदृश्य को लेकर प्रबंधन की टिप्पणी पर रहेगी। इस सप्ताह पहली तिमाही के नतीजों की वजह से हम शेयर और क्षेत्र विशिष्ट गतिविधियां देखेंगे। इसके अलावा निवेशकों की निगाह भारत, अमेरिका और चीन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी रहेगी। उन्होंने कहा कि आगे चलकर बाजार की दिशा काफी हद तक कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.83 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक फायदे में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस रहीं

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में 1,83,290.36 करोड़ रुपये की तेजी देखी गई। सबसे अधिक फायदे में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की कंपनियां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 38,894.44 करोड़ रुपये बढ़कर 14,51,739.53 करोड़ रुपये हो गया। सबसे अधिक लाभ में टीसीएस ही रही। इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 33,320.03 करोड़ रुपये जोड़े और इसका बाजार पूंजीकरण 6,83,922.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 32,611.36 करोड़ रुपये बढ़कर 21,51,562.56 करोड़ रुपये हो गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 23,676.78 करोड़ रुपये बढ़कर 8,67,878.66 करोड़ रुपये हो गया।भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 16,950.99 करोड़ रुपये बढ़कर 6,42,524.89 करोड़ रुपये पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 16,917.06 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,98,487.89 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 10,924.13 करोड़ रुपये बढ़कर 5,41,399.95 करोड़ रुपये हो गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 9,995.57 करोड़ रुपये बढ़कर 7,67,561.25 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 26,970.79 करोड़ रुपये घटकर 12,53,894.64 करोड़ रुपये रह गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 8,735.49 करोड़ रुपये घटकर 8,13,794.86 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

अप्रैल-मई में देश का कोयला आयात बढ़कर 5.22 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली ।

देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले दो माह में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 5.3 प्रतिशत बढ़कर 5.22 करोड़ टन रहा है। टाटा स्टील और सेल के संयुक्त उद्यम बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले वित्त वर्ष के अप्रैल और मई माह में कोयला आयात 4.96 करोड़ टन रहा था। हालांकि, मई में कोयला आयात मामूली घटकर 2.61 करोड़ टन रहा है। पिछले साल मई में यह 2.65 करोड़ टन था। मई में कोयला आयात 1.43 प्रतिशत घटा है। एमजंक्शन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मानसून की शुरुआत के कारण आने वाले सप्ताहों में आयात की मांग कम रहने की संभावना है, जबकि घरेलू बाजार में उत्पादन वृद्धि अच्छी रहनी चाहिए। इसके अलावा आपूर्ति की कमी के कारण समुद्री मार्ग से आने वाले कोकिंग कोयले के दाम चढ़ सकते हैं। इससे देश में खरीदारों की रुचि प्रभावित हो सकती है। मई में कुल कोयला आयात में गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 1.75 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले साल मई में यह 1.81 करोड़ टन रहा था। कोकिंग कोयले का आयात मई में 50.3 लाख टन रहा, जो मई, 2023 में 51 लाख टन था। घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है।

एफपीआई ने जुलाई के प्रथम सप्ताह में बाजार में किया 7,962 करोड़ का निवेश

- जून में एफपीआई ने शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये डाले थे

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 7,900 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। आर्थिक मोर्चे पर मजबूती के बीच एफपीआई का भारतीय बाजार के प्रति भरोसा बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक शेयरों में कुल एफपीआई निवेश 1.16 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर कंपनियों के पहली तिमाही की कमाई के आंकड़े और आम बजट से एफपीआई के प्रवाह की दिशा तय होगी। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने पांच जुलाई तक शेयरों में 7,962 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले जून में एफपीआई ने शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये डाले थे। नेत्र रोग विशेषज्ञ हैरान हैं! वहीं चुनाव को लेकर असमंजस की वजह से विदेशी निवेशकों ने मई में शेयर बाजार से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने की चिंता के कारण एफपीआई ने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक निकाले थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि कुछ कोष संभवतः चुनाव संपन्न होने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में एफपीआई प्रवाह की महत्वपूर्ण वजह बाहरी कारक जैसे अमेरिका में बढ़ता बॉन्ड प्रतिफल और अन्य उभरते बाजारों में निचला मूल्यांकन है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में भी 6,304 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस तरह इस साल अब तक एफपीआई बांड बाजार में 74,928 करोड़ रुपये डाल चुके हैं।

जेप्टो बिक्री मामले में डी-मार्ट को पछाड़ सकती है: अधिकारी

- 5-10 वर्षों में 2.4 लाख करोड़ हो सकता है जेप्टो का राजस्व

नई दिल्ली ।

क्विक कॉमर्स यूनिकॉर्न ज़ेप्टो की बिक्री अगले 18-24 महीनों में ऑफलाइन रिटेल दिग्गज डीमार्ट से अे धिक हो सकती है। इसके साथ ही जेप्टो का वार्षिक राजस्व अगले 5-10 वर्षों में 2.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में नई दिल्ली में सातवें जेआईआईएफ फाउंडेशन डे कार्यक्रम के दौरान कहा। उन्होंने कहा कि डीमार्ट एक 30 अरब डॉलर की कंपनी है और हमारी बिक्री उससे सिर्फ 4.5 गुना कम है। यदि हम सही तरीके से काम करने में सक्षम रहते हैं, तो हम हर साल 2-3 गुना बढ़ते रहेंगे और अगले 18-24 महीनों में उसे पछाड़ सकते हैं। यदि हम सही तरीके से काम करते हैं, तो हम इस व्यवसाय को आज की 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की टॉप लाइन से अगले 5-10 वर्षों में संभावित रूप से 2.5 लाख करोड़ रुपये की टॉप लाइन तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी का ध्यान देश के टॉप 40 शहरों के 50-75 मिलियन घरों पर रहेगा, जो देश में किराना और दैनिक आवश्यकताओं की खरीदारी का अधिकांश हिस्सा हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारतीय किराना बाजार वित्त वर्ष 2029 तक 850 अरब डॉलर का होगा, जिसमें से ये घर 400 अरब डॉलर का योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि किराना सभी श्रेणियों से बड़ा है जो अमेजान और फिल्पकार्ट मिलकर सेवा देते हैं। यदि आप इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, फर्नीचर आदि सभी को जोड़ लें और उसे दोगुना भी कर दें, तब भी यह किराना और घरेलू आवश्यकताओं जितना बड़ा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि क्विक-कॉमर्स फर्म ने तीन साल से कम समय में शून्य से 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री हासिल की है, जो फ्लिपकार्ट से भी तेज है, जिसने इसे चार साल में हासिल किया था।

बजट में बुनियादी ढांचा क्षेत्र का दर्जा मिलेः होटल उद्योग

- कर छूट या सब्सिडी के रूप में प्रोत्साहन देने पर विचार करना चाहिए

नई दिल्ली ।

आतिथ्य क्षेत्र की कंपनियों का कहना है कि सरकार आने वाले आम बजट में होटल क्षेत्र को बुनियादी ढांचा क्षेत्र का दर्जा प्रदान करे, इससे नई संपत्तियों में निवेश अधिक आकर्षक बन सकेगा। उनका कहना है कि होटल क्षेत्र की भू मिका देश की वृद्धि में महत्वपूर्ण है और इसे लक्जरी के रूप में वर्गीकृत नहीं करना चाहिए। इसके अलावा सरकार को आतिथ्य क्षेत्र को टिकाऊ और पर्यावरणनुकूल व्यवहार को अपनाने के लिए कर छूट या सब्सिडी के रूप में प्रोत्साहन देने पर विचार करना चाहिए। सरकार आगामी बजट में पर्यटन एजेंडा में तेजी लाने पर ध्यान दे क्योंकि यह देश के आतिथ्य क्षेत्र को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान देने का महत्वपूर्ण इंजन और रोजगार सृजन का जरिया बनाने का बड़ा अवसर है।

भारतीय होटल संघ (एचएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र ऊंचे कराधान के बोझ से दबा है। इसके अलावा लाइसेंस, मंजूरी और अनुपालन की प्रक्रिया भी काफी महंगी बैठती है। इन वजहों से होटल में निवेश जोखिम भरा हो जाता है। निवेश की बेहतर दर के साथ होटल निवेश को और अधिक आकर्षक बनाने और कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने की जरूरत है। आगामी आम बजट में होटल को विलासिता, विशिष्ट या नुकसान वाले उत्पाद के रूप में वर्गीकृत करने की नीति में बदलाव होना चाहिए। देश के दृष्टिकोण-2047 को हासिल करने के लिए यह आतिथ्य क्षेत्र की क्षमता का लाभ उठाने का अवसर है। बजट के लिए एचएआई की प्रमुख नीतिगत सिफारिश यह है कि सरकार होटल क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा दे। एक इंडियन होटल्स के अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा मिलने से निवेश बेहतर हो सकेगा। इससे क्षेत्र देश को 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे पाएगा।

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव कम हुए

- देशी एवं आयातित तेल-तिलहन के भाव में सुधार देखा गया

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग की वजह से सोयाबीन तिलहन की कीमतें कम हुई हैं। दूसरी ओर आयातित सोयाबीन डीगम तेल की जुलाई खेप की कीमत बढ़ने से बाकी सभी देशी एवं आयातित तेल-तिलहन के भाव में सुधार देखा गया। बाजार सूत्रों ने कहा कि जुलाई खेप वाले सोयाबीन डीगम तेल का दाम कांडला बंदरगाह पर 1,040-1,045 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,080-1,085 डॉलर प्रति टन हो गया है।

इसकी वजह से बाकी सभी देशी और आयातित तेलों के दाम में तेजी देखने को मिली है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव पांच रुपये बढ़कर 6,035-6,095 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 75 रुपये बढ़कर 11,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश़ 10-10 रुपये की तेजी के साथ क्रमश़ 1,900-2,000 रुपये और 1,900-2,025 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग से समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,570-4,590 रुपये प्रति क्विंटल और 4,380-4,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम के जुलाई शिपमेंट के दाम बढ़ने के कारण सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश़ 150 रुपये, 50 रुपये और 100 रुपये की तेजी के साथ क्रमश़ 10,400 रुपये, 10,200 रुपये तथा 8,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

मूंगफली तिलहन 100 रुपये की तेजी के साथ 6,350-6,625 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 320 रुपये की तेजी के साथ 15,200 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 30 रुपये की तेजी के साथ 2,280-2,580 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 100 रुपये की तेजी दर्शाता 8,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जगन्नाथ पुरी रथयात्रा

करें अलौकिक सुख की अनुभूति

पूर्ण परात्पर भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को जगन्नाथपुरी में आरंभ होती है। यह रथयात्रा पुरी का प्रधान पर्व भी है। इसमें भाग लेने के लिए, इसके दर्शन लाभ के लिए हज़ारों, लाखों की संख्या में बाल, वृद्ध, युवा, नारी देश के सुदूर प्रांतों से आते हैं।

दक्षिण भारतीय उड़ीसा राज्य का पुरी क्षेत्र जिसे पुरुषोत्तम पुरी, शंख क्षेत्र, श्रीक्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है, भगवान श्री जगन्नाथ जी की मुख्य लीला-भूमि है। उत्कल प्रदेश के प्रधान देवता श्री जगन्नाथ जी ही माने जाते हैं। यहाँ के वैष्णव धर्म की मान्यता है कि राधा और श्रीकृष्ण की युगल मूर्ति के प्रतीक स्वयं श्री जगन्नाथ जी हैं। इसी प्रतीक के रूप श्री जगन्नाथ से संपूर्ण जगत का उद्भव हुआ है। श्री जगन्नाथ जी पूर्ण परात्पर भगवान है और श्रीकृष्ण उनकी कला का एक रूप है। ऐसी मान्यता श्री चैतन्य महाप्रभु के शिष्य पंच सखाओं की है।

पर्यटन और धार्मिक महत्व

यहाँ की मूर्ति, स्थापत्य कला और समुद्र का मनोरम किनारा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्याप्त है। कोणार्क का अद्भुत सूर्य मंदिर, भगवान बुद्ध की अनुपम मूर्तियों से सजा धौल-गिरि और उदय-गिरि की गुफ़ाएँ, जैन मुनियों की तपस्थली खंड-गिरि की गुफ़ाएँ, लिंग-राज, साक्षी गोपाल और भगवान जगन्नाथ के मंदिर दर्शनीय है। पुरी और चंद्रभागा का मनोरम समुद्री किनारा, चंदन तालाब, जनकपुर और नंदनकानन अभ्यारण्य बड़ा ही मनोरम और दर्शनीय है। शास्त्रों और पुराणों में भी रथ-यात्रा की महत्ता को स्वीकार किया गया है। स्कंद पुराण में स्पष्ट कहा गया है कि रथ-यात्रा में जो व्यक्ति श्री जगन्नाथ जी के नाम का कीर्तन करता हुआ गुंडीचा नगर तक जाता है वह पुनर्जन्म से मुक्त हो जाता है। जो व्यक्ति श्री जगन्नाथ जी का दर्शन करते हुए, प्रणाम करते हुए मार्ग के धूल-कीचड़ आदि में लोट-लोट कर जाते हैं वे सीधे भगवान श्री विष्णु के उत्तम धाम को जाते हैं। जो व्यक्ति गुंडिचा मंडप में रथ पर विराजमान श्री कृष्ण, बलराम और सुभद्रा देवी के दर्शन दक्षिण दिशा को आते हुए करते हैं वे मोक्ष को प्राप्त होते हैं। रथयात्रा एक ऐसा पर्व है जिसमें भगवान जगन्नाथ चलकर जनता के बीच आते हैं और उनके सुख दुख में सहभागी होते हैं। सब मनिसा मोर परजा (सब मनुष्य मेरी प्रजा है), ये उनके उद्गार है। भगवान जगन्नाथ तो पुरुषोत्तम हैं। उनमें श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध, महायान का शून्य और अद्वैत का ब्रह्म समाहित है। उनके अनेक नाम है, वे पतित पावन हैं।

महाप्रसाद का गौरव

रथयात्रा में सबसे आगे ताल ध्वज पर श्री बलराम, उसके पीछे पद्म ध्वज रथ पर माता सुभद्रा व सुदर्शन चक्र और अंत में गरुण ध्वज पर या नंदीघोष नाम के रथ पर श्री जगन्नाथ जी सबसे पीछे चलते हैं। तालध्वज रथ 65 फीट लंबा, 65 फीट चौड़ा और 45 फीट ऊँचा है। इसमें 7 फीट व्यास के 17 पहिये लगे हैं। बलभद्र जी का रथ तालध्वज और सुभद्रा जी का रथ को देवलन जगन्नाथ जी के रथ से कुछ छोटे हैं। संध्या तक ये तीनों ही रथ मंदिर में जा पहुँचते हैं। अगले दिन भगवान रथ से उतर कर मंदिर में प्रवेश करते हैं और सात दिन वहीं रहते हैं। गुंडीचा मंदिर में इन नौ दिनों में श्री जगन्नाथ जी के दर्शन को आड़प-दर्शन कहा जाता है। श्री जगन्नाथ जी के प्रसाद को महाप्रसाद माना जाता है जबकि अन्य तीर्थों के प्रसाद को सामान्यतया प्रसाद ही कहा जाता है। श्री जगन्नाथ जी के प्रसाद को महाप्रसाद का स्वरूप महाप्रभु बल्लभाचार्य जी के द्वारा मिला। कहते हैं कि महाप्रभु बल्लभाचार्य की निष्ठा की परीक्षा लेने के लिए उनके एकादशी व्रत के दिन पुरी पहुँचने पर मंदिर में ही किसी ने प्रसाद दे दिया। महाप्रभु ने प्रसाद हाथ में लेकर स्तवन करते हुए दिन के बाद रात्रि भी बिता दी। अगले दिन द्वादशी को स्तवन की समाप्ति पर उस प्रसाद को ग्रहण किया और उस प्रसाद को महाप्रसाद का गौरव प्राप्त हुआ। नारियल, लाई, गजामूंग और मालपुआ का प्रसाद विशेष रूप से इस दिन मिलता है।

जनकपुर मौसी का घर

जनकपुर में भगवान जगन्नाथ दसों अवतार का रूप धारण करते हैं.विभिन्न धर्मो और मतों के भक्तों को समान रूप से दर्शन देकर तृप्त करते हैं। इस समय उनका व्यवहार सामान्य मनुष्यों जैसा होता है। यह स्थान जगन्नाथ जी की मौसी का है। मौसी के घर अच्छे-अच्छे पकवान खाकर भगवान जगन्नाथ बीमार हो जाते हैं। तब यहाँ पथ्य का भोग लगाया जाता है जिससे भगवान शीघ्र ठीक हो जाते हैं। रथयात्रा के तीसरे दिन पंचमी को लक्ष्मी जी भगवान जगन्नाथ को ढूँढ़ते यहाँ आती हैं। तब द्वैतापति दरवाज़ा बंद कर देते हैं जिससे लक्ष्मी जी नाराज़ होकर रथ का पहिया तोड़ देती है और हेरा गोहिरी साही पुरी का एक मुहल्ला जहाँ लक्ष्मी जी का मंदिर है, वहां लौट जाती हैं। बाद में भगवान जगन्नाथ लक्ष्मी जी को मनाने जाते हैं। उनसे क्षमा माँगकर और अनेक प्रकार के उपहार देकर उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इस आयोजन में एक ओर द्वैतापति भगवान जगन्नाथ की भूमिका में संवाद बोलते हैं तो दूसरी ओर देवदासी लक्ष्मी जी की भूमिका में संवाद करती है। लोगों की अपार भीड़ इस मान-मनौव्वल के संवाद को सुनकर खुशी से झूम उठती हैं। सारा आकाश जै श्री जगन्नाथ के नारों से गूँज उठता है। लक्ष्मी जी को भगवान जगन्नाथ के द्वारा मना लिए जाने को विजय का प्रतीक मानकर इस दिन को विजयादशमी और वापसी को बोहतड़ी गोंचा कहा जाता है। रथयात्रा में पारम्परिक सद्भाव, सांस्कृतिक एकता और धार्मिक सहिष्णुता का अद्भूत समन्वय देखने को मिलता है।

देवर्षि नारद को वरदान

श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा में भगवान श्री कृष्ण के साथ राधा या रुक्मिणी नहीं होतीं बल्कि बलराम और सुभद्रा होते हैं। उसकी कथा कुछ इस प्रकार प्रचलित है – द्वारिका में श्री कृष्ण रुक्मिणी आदि राज महिषियों के साथ शयन करते हुए एक रात निद्रा में अचानक राधे-राधे बोल पड़े। महारानियों को आश्चर्य हुआ। जागने पर श्रीकृष्ण ने अपना मनोभाव प्रकट नहीं होने दिया, लेकिन रुक्मिणी ने अन्य रानियों से वार्ता की कि, सुनते हैं वृंदावन में राधा नाम की गोपकुमारी है जिसको प्रभु ने हम सबकी इतनी सेवा निष्ठा भक्ति के बाद भी नहीं भुलाया है। राधा की श्रीकृष्ण के साथ रहस्यात्मक रास लीलाओं के बारे में माता रोहिणी भली प्रकार जानती थीं। उनसे जानकारी प्राप्त करने के लिए सभी महारानियों ने अनुनय-विनय की। पहले तो माता रोहिणी ने टालना चाहा लेकिन महारानियों के हठ करने पर कहा, ठीक है। सुनो, सुभद्रा को पहले पहरे पर बिठा दो, कोई अंदर न आने पाए, भले ही बलराम या श्रीकृष्ण ही क्यों न हों।

माता रोहिणी के कथा शुरू करते ही श्री कृष्ण और बलरम अचानक अंत:पुर की ओर आते दिखाई दिए। सुभद्रा ने उचित कारण बता कर द्वार पर ही रोक लिया। अंत:पुर से श्रीकृष्ण और राधा की रासलीला की वार्ता श्रीकृष्ण और बलराम दोनो को ही सुनाई दी। उसको सुनने से श्रीकृष्ण और बलराम के अंग अंग में अद्भुत प्रेम रस का उद्भव होने लगा। साथ ही सुभद्रा भी भाव विह्वल होने लगीं। तीनों की ही ऐसी अवस्था हो गई कि पूरे ध्यान से देखने पर भी किसी के भी हाथ-पैर आदि स्पष्ट नहीं दिखते थे। सुदर्शन चक्र विगलित हो गया। उसने लंबा-सा आकार ग्रहण कर लिया। यह माता राधिका के महाभाव का गौरवपूर्ण दृश्य था।

अचानक नारद के आगमन से वे तीनों पूर्व वत हो गए। नारद ने ही श्री भगवान से प्रार्थना की कि हे भगवान आप चारों के जिस महाभाव में लीन मूर्तिस्थ रूप के मैंने दर्शन किए हैं, वह सामान्य जनों के दर्शन हेतु पृथ्वी पर सदैव सुशोभित रहे। महाप्रभु ने तथास्तु कह दिया।

रथ यात्रा का प्रारंभ

कहते हैं कि राजा इंद्रद्युम्न, जो सपरिवार नीलांचल सागर (उड़ीसा) के पास रहते थे, को समुद्र में एक विशालकाय काष्ठ दिखा। राजा के उससे विष्णु मूर्ति का निर्माण कराने का निश्चय करते ही वृद्ध बढ़ई के रूप में विश्वकर्मा जी स्वयं प्रस्तुत हो गए। उन्होंने मूर्ति बनाने के लिए एक शर्त रखी कि मैं जिस घर में मूर्ति बनाऊँगा उसमें मूर्ति के पूर्णरूपेण बन जाने तक कोई न आए। राजा ने इसे मान लिया। आज जिस जगह पर श्रीजगन्नाथ जी का मंदिर है उसी के पास एक घर के अंदर वे मूर्ति निर्माण में लग गए। राजा के परिवारजनों को यह ज्ञात न था कि वह वृद्ध बढ़ई कौन है। कई दिन तक घर का द्वार बंद रहने पर महारानी ने सोचा कि बिना खाए-पिये वह बढ़ई कैसे काम कर सकेगा। अब तक वह जीवित भी होगा या मर गया होगा। महारानी ने महाराजा को अपनी सहज शंका से अवगत करवाया। महाराजा के द्वार खुलवाने पर वह वृद्ध बढ़ई कहीं नहीं मिला लेकिन उसके द्वारा अर्द्धनिर्मित श्री जगन्नाथ, सुभद्रा तथा बलराम की काष्ठ मूर्तियाँ वहाँ पर मिली।

महाराजा और महारानी दुखी हो उठे। लेकिन उसी क्षण दोनों ने आकाशवाणी सुनी, व्यर्थ दु:खी मत हो, हम इसी रूप में रहना चाहते हैं मूर्तियों को द्रव्य आदि से पवित्र कर स्थापित करवा दो। आज भी वे अपूर्ण और अस्पष्ट मूर्तियाँ पुरुषोत्तम पुरी की रथयात्रा और मंदिर में सुशोभित व प्रतिष्ठित हैं। रथयात्रा माता सुभद्रा के द्वारिका भ्रमण की इच्छा पूर्ण करने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण व बलराम ने अलग रथों में बैठकर करवाई थी। माता सुभद्रा की नगर भ्रमण की स्मृति में यह रथयात्रा पुरी में हर वर्ष होती है।

केदारनाथ

दर्शनों के लिए फिर से लोगों में उत्साह बनेगा

शिवपुराण की कोटिरूद्र संहिता के अनुसार नर और नारायण दोनों ने पवित्र हिमालय के बद्रिकाश्रम तीर्थ में पार्थिव शिवलिंग निर्मित करके भगवान शिव की पूजार्चना आरम्भ की। वह रोज श्रद्धा-विश्वास के साथ यम-नियम संयम आदि का पालन करते हुए शिव भक्ति में मगन रहते। हर समय उनकी आराधना करते। आखिर शिव उन की भक्ति से प्रसन्न होकर केदार चोटी पर केदारतीर्थ में ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थित हो गए। यह स्थल लोगों में अटला आस्था और विश्वास का केंद्र बना हुआ है।

केदारनाथ की रौनक लौटाएगा चन्द्रमा – वर्तमान में प्लंवग नामक संवत्सर के राजा और मंत्री दोनों का अधिकार परम शिवभक्त चन्द्रमा के पास है। चंद्रमा मन बुद्धि एवं अहंकार के अधिपति तो हैं ही, शिवभक्तों पर इनकी विशेष कृपा भी रहती है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार राजयक्ष्मा, क्षयरोग किसी भी तरह के चर्मरोग, मानसिक व्यग्रता पारिवारिक कलह, कफ, नज़ला, निमोनिया श्वास से सबंधित रोग से पीड़ित व्यक्ति जब शिव स्वरूप ज्योतिर्लिंग पर पंचामृत का लेप करता है तो उसकी जन्म कुंडली में चन्द्रजनित दोष शांत हो जाते हैं।

गुरू के इस इस योग का मिलेगा भक्तों को लाभ – इसी वर्ष देवगुरु बृहस्पति ने बारह वर्षों के बाद पुन: परमहंस योग बनाया है। इस योग का खास महत्व है। इस योग में किसी भी ज्योतिर्लिंग या तीर्थक्षेत्र में जाकर थोड़ा-सा भी जप-तप दानपुण्य किया जाए तो व्यक्ति को पूर्ण सुख मिलता है। चन्द्र और गुरु द्वारा बनाया गया यह दुर्लभ योग वर्तमान संवत्सर के अंत 20 मार्च 2015 तक रहेगा। इस अवधि में यह हर दृष्टि से शुभ कल्याणकारी है। दैवीय प्रकोप के पश्चात इस तरह के योग बनते हैं। क्योंकि जीवन में घटने वाली सभी घटनाओं की तिथियाँ पहले से ही तय की जा चुकीं हैं। योग बताते है कि पुन: श्रीकेदारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन हेतु भक्तों का उत्साह बरकररार रहने वाला है। लोग आगे पूरी श्रद्धा और विश्वास से केदारधाम में आएंगे।

वास्तु : घर में कहां और कैसे रखें आईना

आईना, जिसके बगैर आपकी खूबसूरती अधूरी है समझिए। वह आईना ही है, जो आपकी खूबसूरती को आपके कॉन्फिडेंस के साथ जोड़े रखता है। लेकिन, वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि आईना यदि सही दिशा और सही स्थिति में हो तो आपका फायदा और न हो तो आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है। आइए, जानें घर में कहां और कैसे रखें इसे...

-आप जहां रह रहे हों या जहां आपका ऑफिस हो वहां उत्तर-पूर्व दिशा में दर्पण लगाना चाहिए। आप देखेंगे कि इसके लगाते ही आय में वृद्धि तो शुरू होगी ही साथ ही कमाई के रास्ते आनेवाली बाधाएं भी दूर होंगी।

-आईना लगाते समय यह जरूर ध्यान रखें कि उस आईने में किसी शुभ वस्तु का प्रतिबिंब नज़र आ रहा हो। यह आपके भाग्य में वृद्धि लाता है।

-आईना ऐसी जगह न हो, जिसके ठीक सामने आपके घर या ऑफिस की कोई खिड़की या दरवाजा हो।

-ध्यान रखिए कि किसी भी कमरे में चारों और आईना नहीं लगाना चाहिए। जानते हैं? घर में ऐसी व्यवस्था घर के लोगों में उलझन पैदा कर देती है।

-यदि घर का कोई हिस्सा ऐसा हो, जहां अक्सर अंधेरा ही छाया रहता है तो ऐसे जगह गोल आईना लगाकर रखें। यह निगेटिव एनर्जी को भगाने की क्षमता रखता है।

-यदि आपके बेडरूम में बेड के ठीक सामने कोई आईना हो तो उसे फौरन हटाएं, क्योंकि यह आपके शादीशुदा लाइफ में बाधाएं खड़ी कर सकता है।

-कहते हैं आईना जितना बड़ा और हल्का हो, उसे उतना ही बेहतरीन माना जाता है। घर में आईने की संख्या चाहे कितनी हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन यह जरूरी है कि आईने ने अलग-अलग टुकड़ों को एकसाथ जोड़कर एक जगह न रखें, क्योंकि इस तरह के आईने में आपका शरीर खंडित नजर आएगा और यह शुभ नहीं माना जाता।

भाग्य चमकाएं, नित्य करें यह आसान उपाय...

विपत्ति में घिरे किसी भी प्राणी के लिए तिनका भी सहारा होता है, लेकिन बहुत कम जातक जानते हैं कि प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में दी गई सीख को अपनाने मात्र से कैसे भी बुरे दिनों से बाहर निकला जा सकता है।

- जब भी सुबह उठें तो सबसे पहले दोनों हाथों की हथेलियों को कुछ क्षण देखकर चेहरे पर तीन-चार बार फेरें और ईश्वर को नमस्कार करें। इसका कारण है कि हथेली के अग्र भाग में मां लक्ष्मी, मध्य भाग में मां सरस्वती व मूल भाग (मणि बंध) में भगवान विष्णु का स्थान होता है। नित्य यह कर्म करने से जातक का भाग्य चमक उठता है।
- वैदिक ग्रंथों के अनुसार घर में बन रहे भोजन में से पशु (गौ माता) का हिस्सा भी अलग से रखें। वर्तमान में भोजन के लिए बनाई जा रही रोटी को गाय या किसी पशु के लिए निकाल लें और उसे खिलाएं। गौमाता धरती पर ईश्वर का वरदान मानी जाती है। ऐसा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।
- घर में स्थापित देवी-देवताओं को रोज ताजे फूलों से श्रृंगारित करना चाहिए। घर में स्थापित देवी-देवताओं को फूल आदि अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं व साधक का भाग्य चमका देते हैं।
- अपने निवास में प्रतिदिन सुबह झाड़ू-पोछा करें। शाम के समय घर में झाड़ू-पोछा न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और आर्थिक हानि का सामना करना पड़ सकता है।
- किसी भी तालाब, झील या नदी में मछलियों को नित्य जाकर आटे की गोलियां खिलाएं। मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का यह बहुत ही अचूक उपाय है। नियमित रूप से जो यह उपाय करता है, कुछ ही दिनों में उसकी किस्मत चमक जाती है।
- जब भी किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए घर से निकलें तो उसके पहले अपने माता-पिता और घर के बड़े-बुजुर्गों के चरण स्पर्श करें और आशीर्वाद लें। माता-पिता को प्रत्यक्ष देवता माना गया है। ऐसा करने से सभी विपरीत ग्रह अनुकूल हो जाते हैं और शुभ फल प्रदान करते हैं।
- ध्यान रहे कि जब भी आप घर में प्रवेश करें तो कभी खाली हाथ न जाएं। घर में हमेशा कुछ न कुछ लेकर ही प्रवेश करें, चाहे वह पेड़ का पत्ता ही क्यों न हो।

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में
&
भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

ईरान में राष्ट्रपति चुनाव न तो स्वतंत्र था और न ही निष्पक्ष : अमेरिका

–ईरान के व्यवहार को लेकर हमारी चिंताएं अभी भी जस की तस

वाशिंगटन। ईरान में राष्ट्रपति चुनाव संपन्न हो चुके हैं और ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्किययान बन गए हैं। वहीं अमेरिका ने ईरान के राष्ट्रपति चुनाव की आलोचना की है। अमेरिका ने कहा कि ईरान में राष्ट्रपति चुनाव यह न तो स्वतंत्र था और न ही निष्पक्ष। इस चुनाव के बाद मानवाधिकारों पर इस्लामी गणराज्य के रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि वह तेहरान के साथ कूटनीति का प्रयोग तब तक जारी रखेगा जब तक यह अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान में चुनाव स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं थे। ईरान के एक महत्वपूर्ण हिस्से ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था। प्रवक्ता ने कहा कि हमें कोई उम्मीद नहीं है कि इन चुनावों से ईरान की दिशा में मौलिक परिवर्तन आएगा या उसके नागरिकों के मानवाधिकारों के प्रति सम्मान पैदा होगा। जैसा कि उम्मीदवारों ने कहा है, ईरानी नीति सर्वोच्च नेता द्वारा तय की जाती है। उन्होंने कहा कि चुनावों का ईरान के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ईरान के व्यवहार को लेकर हमारी चिंताएं अभी भी कायम हैं। ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए हुए मतदान में दो उम्मीदवारों के बीच सीधे मुकाबले में सुधारवादी नेता मसूद पेजेश्कियान ने कट्टपंथी सईद जलीली को हराकर जीत हासिल की ली। बता दें एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मृत्यु हो जाने के बाद पेजेश्कियान और जलीली के बीच सीधे मुकाबले के तहत मतदान हुआ था. दूसरी ओर ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने अपने विजयी भाषण में ईरानियों के लिए काम करने का वादा किया है। सुधारवादी विचारों वाले पेजेश्कियन ने अयातुल्ला खुमैनी के मकबरे पर पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

थाने में घुसकर धमकाने वाले को पुलिस ने मारी गोली, मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में शनिवार देर रात पुलिस ने एक व्यक्ति के पुलिस स्टेशन में घुस गया और चाकू से अधिकारियों को धमकाने लगा उसे पुलिस ने गोली मार दी। क्वींसलैंड पुलिस ने रविवार सुबह कहा कि क्वींसलैंड के टाउन्सविले शहर के उपनगर किरवान में एक व्यक्ति ने रात 10 बजे के बाद पुलिस स्टेशन में आया और पुलिस अधिकारियों को चाकू से धमकाने लगा। पुलिस ने इस व्यक्ति को गोली मार दी और तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए भेजा। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ ही देर बाद व्यक्ति की मौत हो गई।

पावर ग्रिड फेल होने से पूरा नाइजीरिया अंधेरे में डूबा

अबुजा। नाइजीरिया देश में बिजली गुल होने से हाहाकार मच गया। मीडिया रिपोर्ट में एनुगु इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के हवाले से बताया गया है कि पावर ग्रिड फेल होने का कारण देश के दक्षिण–पूर्वी राज्यों में बिजली आपूर्ति में कमी थी जिसके कारण पूरे ऊर्जा ग्रिड में आपूर्ति बंर हो गई। कंपनी ने कहा कि हम नेशनल कंट्रोल सेंटर (एनसीसी) ओसोगबो से बिजली फेल और आपूर्ति बहाल होने की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले 14 सालों में नाइजीरिया में 227 बार पावर ग्रिड फेल होने की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

ऑस्ट्रेलिया में घर में लगी भीषण आग, तीन मासूमों की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में एक घर में भीषण आग लगने से तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई, जिनमें एक दस महीने की लड़की और दो और चार साल के दो लड़के शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना शनिवार देर रात एक बजे घटी जब घर में आग लगने की सूचना मिलने के बाद फ्रीमैन स्ट्रीट, लालोर पार्क में आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि तीनों बच्चों की पहचान नहीं हो सकी है। धुएं के कारण एक महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और एक 28 वर्षीय युवक को घटनास्थल से गिरफ्तार किया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान ने माना, आगे का सफर कठिनाइयों से भरा

तेहरान। ईरान के निर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा कि देश को अड़चनों, चुनौतियों और संकटों से पार पाने में मदद करना आगे की बड़ी परीक्षा होगी। श्री पेजेशकियान ने यह टिप्पणी तेहरान में इमाम खुमैनी के मकबरे पर समर्थकों के साथ बात करते हुए की। श्री पेजेशकियान को देश के 14वें राष्ट्रपति चुनाव में सिद्धांतवादी उम्मीदवार सईद जलीली के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले में विजेता घोषित किया। उन्होंने ईरान के लोगों की सेवा करने की अपनी तत्परता पर जोर देकर उनकी चिंताओं को ध्यान से सुनने का वादा किया। उन्होंने अपने प्रशासन के सामने आने वाली चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को स्वीकार कर तनाव कम करने और कठिनाइयों से निपटने के लिए ईरानी संसद के साथ काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। श्री पेजेशकियान ने 16,384,403 वोटों के साथ चुनाव जीता, जबकि श्री जलीली को 13,538,179 वोट मिले। श्री पेजेशकियान (69) एक हृदय शल्य चिकित्सक हैं। वह 2016 से 2020 तक संसद के पहले डिप्टी स्पीकर और 2001 से 2005 के बीच स्वास्थ्य मंत्री थे। इसके पहले ईरान के शीर्ष नेता अली खामेनेई ने श्री पेजेशकियान का स्वागत कर उन्हें जीत पर बधाई दी।

क्या राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने वाले हैं बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और अन्य राज्यों के गवर्नर के साथ बैठक में भाग लेने वाले हवाई के गवर्नर जोश ग्रीन ने कहा कि बाइडन एक–दो दिन में यह फैसला लेने वाले हैं कि उन्हें राष्ट्रपति पद के चुनावी मुकाबले में बने रहना है या नहीं। ग्रीन ने कहा कि उनका मानना है कि यदि बाइडन चुनावी दौड़ से बाहर होने का फैसला करते हैं, तब वे चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर अपने स्थान पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को नामित कर सकते है। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रपति को यह लगता है कि वह वास्तव में चुनाव जीत नहीं पाएंगे.....तब वह दौड़ से बाहर हो जाएंगे। ग्रीन ने कहा, ''हमें संभवत- एक–दो दिन में पता चलेगा कि राष्ट्रपति का क्या विचार है।'' बाइडन ने कई बार कहा है कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के अपने प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मुकाबले में बना रहूंगा। राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत अटलांटा में 27 जून को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बहस में खराब प्रदर्शन के बाद बाइडन (81) की लोकप्रियता की 'रेटिंग' गिर गई है, जिसके बाद उन्हीं की पार्टी के कुछ नेताओं ने उनसे राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर होने का आग्रह किया था।

अमेरिका में गोलीबारी में चार लोगों की मौत, तीन घायल

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के केंटकी के एक घर में शनिवार को हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। फ्लोरेंस पुलिस विभाग के अनुसार चार लोगों की घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। वहीं तीन अन्य घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस अधिकारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अधिकारी शनिवार को सुबह फ्लोरेंस के एक घर पर पहुंचे तो वहां लोगों को को गोली मारी गई थी। घर के मालिक के बेटे के जन्मदिन की पार्टी के लिए लोग यहां इकट्ठा हुए थे। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार संदिग्ध व्यक्ति पुलिस के आने से पहले ही एक वाहन में बैठकर भाग गया। बाद में पुलिस ने उसका पीछा किया। पुलिस ने बताया कि भागते समय संदिग्ध का वाहन सड़क से उतरकर खाई में गिर गया। बाद में संदिग्ध ने खुद को गोली मार ली। उसे पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पार्टी में मौजूद लोगों ने संदिग्ध को पहचान लिया और पुलिस को उसकी पहचान बताई। पु ?लिस के अनुसार उस पर पहले भी यौन अपराध का आरोप है।

काठमांडू में एक महिला अपना सामान लेकर पानी से भरी एक सड़क से निकलती हुई।

गाजा में जंग खत्म होने की आहट... हमास बंधकों की रिहाई को तैयार

गाजा। हमास के खिलाफ इजरायल की जंग अभी जारी है। हालांकि इसके खत्म होने की आहट सुनाई दे रही है। हमास के एक वरिष्ठ सूत्र के हवाले से बताया कि हमास गाजा में नौ महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से किए गए समझौते को अमल में लाने के लिए तैयार है। पहले चरण के 16 दिन बाद इजरायली बंधकों को रिहा करने के लिए वार्ता शुरू करने के लिए अमेरिका के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। हमास ने मांग की है कि समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले इजरायल को पहले एक स्थायी युद्धविराम के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। छह सप्ताह के पहले चरण के दौरान इस अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। मध्यस्थता के माध्यम से किए गए युद्धविराम प्रयासों में शामिल फिलिस्तीनी अधिकारी ने कहा था कि यदि इजरायल सहमत होता है, तब यह प्रस्ताव समझौते के रूप में परिणत हो सकता है। इसके साथ ही पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुए गाजा युद्ध को समाप्त कर देगा। हमास सूत्र ने कहा कि अमेरिकी प्रस्ताव से यह सुनिश्चित होता है कि मध्यस्थ अस्थायी युद्धविराम, मानवीय सहायता की आपूर्ति और इजरायली सैनिकों की वापसी की गारंटी देगा। समझौते के दूसरे चरण को लागू करने के लिए अप्रत्यक्ष वार्ता जारी रहेगी।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री अब्बासी ने नए राजनीतिक दल की स्थापना की

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने व्यवस्था में बदलाव और देश के संविधान के लिये सम्मान बहाल करने के मिशन के साथ शनिवार को आधिकारिक रूप से एक नए राजनीतिक दल की स्थापना की। अवाम पाकिस्तान पार्टी नाम के इस दल का मुख्य नारा 'बदलेंगे निजाम' है और देश के विकास में योगदान देने वाला कोई भी व्यक्ति इसकी सदस्यता ले सकता है। अब्बासी (65) अगस्त 2017 से मई 2018 तक प्रधानमंत्री रहे थे, जब उच्चतम न्यायालय ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ को अयोग्य घोषित कर दिया था।

रावलपिंडी के प्रसिद्ध पहाड़ी क्षेत्र मरी से संबंध रखने वाले अब्बासी ने 2018 के बाद नीतिगत असहमति के कारण पीएमएल-एन से दूरी बना ली थी और 2022 में सरकार का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया था। अब्बासी ने यहां पार्टी के स्थापना के मौके पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शासन, पुलिस और राजस्व प्रणाली समेत देश की पूरी व्यवस्था चरमरा गई है।

उन्होंने कहा, 'अगर शक्तियां जिला स्तर पर हस्तांतरित नहीं की गईं, तो यह प्रणाली आगे नहीं बढ़ सकती।' उन्होंने कहा, 'संविधान का पालन किये बिना देश नहीं चल सकता। यह पार्टी पाकिस्तान के संविधान और संसदीय लोकतंत्र में मजबूती से निहित है, इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। विडंबना यह है कि संविधान की रक्षा करने की शपथ लेने वाले हर दिन इसे तोड़ रहे हैं।

बांग्लादेश से आए शरणार्थियों को वापस नहीं भेजा

–मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने पीएम मोदी को बताई वजह

आइजोल(एजेंसी)। बांग्लादेश से अवैध रुप से भारत आए लोगों को वापस भेजने के लिए कोशिशें हो रही हैं। विशेष अभियान भी चलाए जा रहे हैं मगर एक ऐसा राज्य भी है, जो अपने अवैध रुप से आए बांग्लादेशियों को वापस भेजने को राजी नहीं है। इस मामले में बंगाल और बिहार से लेकर दिल्ली तक वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया जाता रहा है। अब नॉर्थईस्ट के राज्य मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने केंद्र से पड़ोसी बांग्लादेश से आने वाले शरणार्थियों को आश्रय देने के मामले में स्थिति को समझने का आग्रह किया है।

एक आधिकारिक बयान में राज्य के गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 2022 से बांग्लादेश से करीब दो हजार 'जो' जातीय लोगों ने मिजोरम में शरण ली है। बयान में कहा गया है कि नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान मिजोरम सीएम लालदुहोमा ने

पीएम मोदी को बताया कि राज्य सरकार बांग्लादेश के 'जो' जातीय लोगों को वापस नहीं भेज सकती।

बयान के मुताबिक लालदुहोमा ने पीएम मोदी को बताया कि मिजो जनजाति में से एक 'बावम' जनजाति के कई लोग बांग्लादेश से 2022 से मिजोरम में शरण ले रहे हैं और उनमें से कई अब भी राज्य में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे हैं। नवंबर 2022 में बांग्लादेशी सेना द्वारा 'कुकी-चिन नेशनल आर्मी' (केएनए) के खिलाफ कार्रवाई के बाद बावम जनजाति के लोग मिजोरम में प्रवेश करने लगे। केएनए, एक अलग राज्य की मांग को लेकर लड़ने वाला विद्रोही समूह है।

श्रीलंका में जुलाई के अंत तक राष्ट्रपति चुनाव की तारीख की घोषणा की जाएगी : निर्वाचन आयोग

कोलंबो। श्रीलंका में निर्वाचन आयोग इस महीने के अंत तक राष्ट्रपति चुनाव की तारीख का ऐलान कर देगा। आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष आर.एम.ए.एल. रत्नायके ने कहा कि निर्वाचन आयोग को 17 जुलाई के बाद चुनाव की तारीख घोषित करने का कानूनी अधिकार होगा। आयोग ने मई में कहा था कि राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच होगा। रत्नायके ने कहा कि निर्वाचन आयोग फिलहाल 2024 के चुनावी रजिस्टर को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जो चुनाव का आधार होगा। अधिकारियों ने बताया कि संशोधित सूची के अनुसार एक करोड़ 70 लाख से अधिक मतदाता चुनाव में मतदान करने के पात्र होंगे।

जब नीदरलैंड के पीएम पद छोड़ने के बाद साइकिल से पहुंचे घर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में कोई रिटायर्ड होता है तो उसका सम्मान किया जाता है और उसे गाजे बाजे के साथ विदाई दी जाती है लेकिन नीदरलैंड में जो देखने को मिला वो शायद ही कभी भारत में देखने को मिले। नीदरलैंड (डच) के पीएम रहे मार्क रूटे अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद नए प्रधानमंत्री को सत्ता सौंपने के बाद सीधे अपनी साइकिल के पास पहुंचे। उन्होंने साइकिल उठाई और घर की ओर रवाना हो गए। चारों-तरफ मौजूद मीडिया इस दौरान उनकी फोटो और वीडियो बनाते नजर आए।

पूर्व आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की राज्यपाल रहीं किरन बेदी ने अपने आधिकारिक एक्स हेंडल से डच के पूर्व पीएम की साइकल चलाकर पीएम हाउस से विदाई लेते हुए वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा- 14 सालों तक सत्ता में रहने के बाद, पूर्व डच पीएम मार्क रूट ने अपने उत्तराधिकारी डिक स्कोफ को सत्ता सौंपने की रस्म पूरी करने के बाद पीएमओ छोड़ा।' सोशल मीडिया पर इस वक्त यह वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में रूट साइकिल चलाते हुए पीएमओ ऑफिस से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं, जबकि उनके स्टाफ के सदस्य हाथ हिलाकर उनका

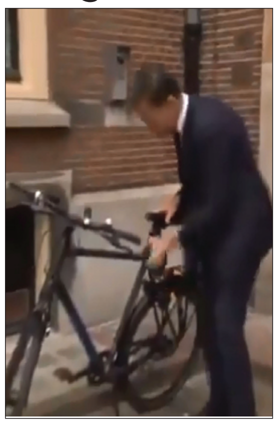

उत्साहवर्धन कर रहे हैं।

14 साल तक नीदरलैंड के पीएम पद रहने के बाद रूट ने पूर्व खुफिया प्रमुख डिक शूफ को देश की बागडोर सौंपी, जिन्होंने किंग विलेम-अलेक्जेंडर की देखरेख में आयोजित एक समारोह में अपना पदभार ग्रहण किया। शूफ ने लंबे समय से पीएम रहे मार्क रूट से पदभार ग्रहण किया। डच खुफिया एजेंसी और आतंकवाद निरोधक कार्यालय के 67 साल के पूर्व प्रमुख शीर्ष पद के लिए एक विकल्प के रूप में उभरे। नए पीएम की नियुक्ति पारंपरिक राजनीतिक परिदृश्य से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, क्योंकि वह किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े बिना चुनावी गतिविधियों से दूर थे।

पीएम मोदी आज जाएंगे रुस, राष्ट्रपति पुतिन कर रहे बेसब्री से इंतजार

–भारत ने रूस को लेकर अपनी स्वतंत्र रणनीति अपनाई

मॉस्को (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी कल से दो दिवसीय दौरे पर रूस जा रहे हैं। पीएम मोदी के तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद ये पहला द्विपक्षीय दौरा है, जहां वी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से यह पीएम मोदी का पहला दौरा होगा। दोनों देश साल 2000 से वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करते रहे हैं, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद से यह स्थगित हो गया। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर पीएम मोदी ने इसे अब क्यों शुरू किया है और तीसरे कार्यकाल में पहली द्विपक्षीय यात्रा के लिए मॉस्को को चुनने की वजह क्या है? जब दुनिया के कई देश पुतिन से दूरी बनाए हुए हैं, ऐसे में पीएम मोदी का मॉस्को जाना पुतिन के लिए बहुत मायने रखता है।

भारत और रूस की दोस्ती दशकों पुरानी है। पुतिन

और पीएम मोदी की आखिरी मुलाकात सितम्बर 2022 में एससीओ शिखर सम्मेलन में हुई थी। उस दौरान मोदी के बयान की दुनिया में चर्चा हुई थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि आज का युग युद्ध का युग नहीं है। तभी से दोनों नेता नहीं मिले हैं। पिछले दो सालों में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अलावा बहुत कम देश के नेताओं ने रूस का दौरा किया है। यही नहीं, मार्च 2023 में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जारी किए जाने वाले गिरफ्तारी वारंट के खतरे के चलते पुतिन ने खुद अपनी विदेश यात्राओं को कम कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका में हुए ब्रिक्स सम्मेलन से रूसी राष्ट्रपति के दूर रहने के पीछे यही अनुमान लगाया गया था। यूक्रेन को लेकर भारत पश्चिमी देशों की चिंताओं को समझता है और शायद यही वजह है कि उसने पिछले दो साल से रूस के साथ संबंधों में दूरी बनाए रखी है लेकिन यूक्रेन युद्ध के निकट भविष्य में खत्म होने के आसार नहीं दिख रहे हैं, ऐसे में भारत ने अब आगे बढ़ने का फैसला किया है। बीते दो साल में पश्चिमी दबाव के सामने न झुकते हुए भारत ने रूस को लेकर अपनी स्वतंत्र रणनीति अपनाई है। इसने रूस से रियायती दर पर तेल खरीदने का विकल्प चुना, जिसने वैश्विक तेल की कीमतों और आपूर्ति को स्थिर करने में भी मदद मिली। अमेरिका के प्रतिबंधों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ अत्याधुनिक मिसाइल रक्षा प्रणाली की खरीद पर भी आगे बढ़ने का फैसला किया।

अति रूढ़िवादी यहूदियों को भी इजरायली सेना में देनी होंगी सेवाएं

–सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भड़के कट्टर यहूदी, सड़कों पर उतरे

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल में कट्टरपंथी यहूदी भड़क गए हैं और वे सड़कों पर उतर आए हैं। वजह है इजरायल की सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अब अति रूढ़िवादी यहूदियों को भी सामान्य यहूदियों की तरह सेना में सेवाएं देनी होंगी। इसके अलावा सरकार की तरफ से मिलने वाली विशेष सुविधाएं उन्हें नहीं दी जाएंगी। अब तक कट्टर यहूदियों के लिए सेना में सेवा देना अनिवार्य नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि युवा हरेदी पुरुषों को भी सेना में भर्ती किया जाना चाहिए। अब येशिवा में पढ़ने वाले युवा इस फैसले के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि इससे उनके धार्मिक जीवन पर असर पड़ेगा और वे धर्म का पालन नहीं कर सकेंगे। उनका आध्यात्मिक जीवन और पूजा-पाठ इजरायल की सुरक्षा के लिए जरूरी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक युवाओं को इस बात पर ऐतराज है कि अगर उन्हें सेना में जाना पड़ा तो उनको धार्मिक भक्ति के रास्ता छोड़ना होगा। ऐसे में उनकी आस्था कमजोर हो जाएगी जो कि देश के लिए खतरनाक साबित होगी। इजरायली सेना को भी उनकी कोई जरूरत नहीं है। कट्टर यहूदी मानते हैं कि उनके धर्म को बचाए रखने के लिए जरूरी है कि वे लोग धर्म का पालन करें। इजरायल में अति-रूढ़िवादी लोगों की संख्या 10 लाख से ज्यादा है। यह इजरायल की जनसंख्या के 12 फीसदी है। अति रूढ़िवादी दलों का सत्ता में भी दखल रहता है। लंबे समय से ये दल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का साथ हैं। कट्टर यहूदियों को टैक्स में भी छूट दी जाती है। वहीं सामान्य यहूदी सेना में जाते हैं और टैक्स का भी भुगतान करते हैं। पहले भी इजरायल की संसद में एक विधेयक पारित हुआ था जिसके मुताबिक हरेदी युवाओं को आंशिक रूप से सेना में देने को कहा गया था। हालांकि यह कानून अब तक लागू नहीं हुआ है। इस कानून का हरेदी नेता विरोध करते हैं।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से भेजी ऑरोरा बोरेलिस की तस्वीर

–पृथ्वी की सतह को कवर करते हुए हरे रंग की चिंगारी नजर आई

वाशिंगटन (एजेंसी)। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है जो एक अजीब से फिलिंग कराता है। पहली नजर में यह तरंगों की तरह दिखता है और ऐसा लगता है कि हरी रोशनी से अगल बगल से हरी चिंगारी निकल रही हों. क्या ये एलियन्स के हाथों या किसी और तरह की गतिविधि हैं? ये एलियन से जुड़ी कोई चीज नहीं है बल्कि ये ऑरोरो बोरेलिस है जो धरती के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के पास दिखाई देता है।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) ने यह वीडियो धरती से 400 किलोमीटर ऊपर की पॉजिशनिंग से बनाया है। ऑरोरा बोरेलिस को उत्तरी रोशनी के रूप में भी जाना जाता है, पृथ्वी से देखी गई सबसे जादुई घटनाओं में से एक है। आईएसएस के एक वीडियो में पृथ्वी की सतह को कवर करते हुए हरे रंग का अरोरा दिखाया है। आपको याद आ गई होगी नॉर्वे की वे हरी रोशनी जिसे देखने लोग नॉर्वे की कड़कड़ाती सर्दियों में वहां पहुंचते हैं। नवंबर से फरवरी तक उत्तरी लाइट्स को देखने के लिए टूरिस्ट वहां जाते हैं क्योंकि इस समय रातें सबसे लंबी होती हैं। यह रोशनी ऐसी दिखती है जैसे हरा कोहरा धरती को ढक रहा हो या कोई छाया हो जो खूबसूरत है, साथ ही सहमा भी देती है। यह टाइम-लैप्स वीडियो आईएसएस से लिया गया था, जो अपनी धरती से 250 मील ऊपर स्थित है। कैप्शन में आईएसएस ने लिखा-उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध के पास जमीन से अक्सर देखा जाने वाला, ऑर्बिटरी प्रयोगशाला का बेहद खूबसूरत बिंदु।

नासा ने इस वीडियो पर टिप्पणी की है कि ये दृश्य कभी पुराने नहीं होते. एक यूजर ने लिखा वास्तव में प्रकृति में देखने लायक सबसे सुंदर, आश्चर्यचकित कर देने वाली एक बेहद खास बात ऑरोरा बोरेलिस तब दिखती है जब सौर तूफानों के कण पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को पार करते हैं। वे तब उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों तक पहुंच जाते हैं। सौर तूफान के कण पृथ्वी के वायुमंडल में गैसों के साथ कॉन्टेट में आते हैं और रोशनी पैदा करते हैं। जब वे ऑक्सीजन के संपर्क में आते हैं तो हरी और लाल रोशनी उत्पन्न होती है. जब सौर तूफान के कण नाइट्रोजन के साथ मिलते हैं तो वे नीली और बैंगनी चमक छोड़ते हैं। सौर तूफान की ताकत के आधार पर रोशनी कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों तक रह सकती है। पृथ्वी ही नहीं जहां अरोरा बोरेलिस दिखाई देती है. कोई भी ग्रह जिसके पास वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्र है, सौर तूफान कणों के साथ आपसे में कॉन्टेक्ट होने के बाद अरोरा बोरेलिस देख सकता है।

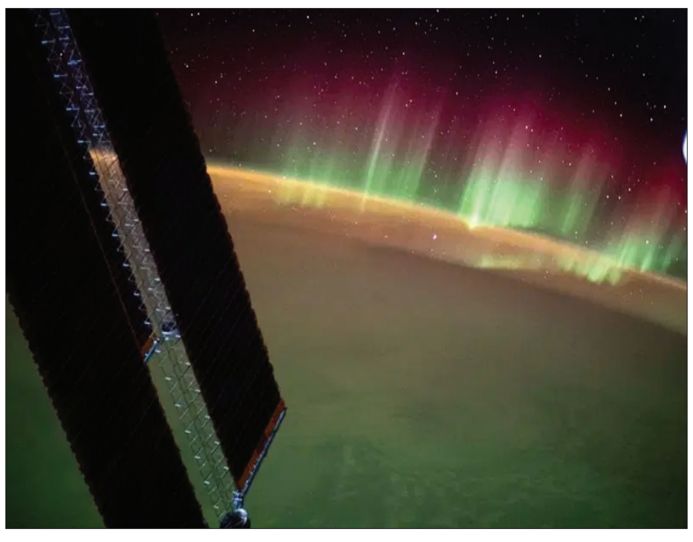

आर्मस्ट्रांग की हत्या : सीबीआई को जांच सौंपे स्टालिन : मायावती

-हमें उम्मीद नहीं है कि राज्य सरकार न्याय दिला पाएगी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने उनकी पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है। आर्मस्ट्रांग की 5 जुलाई को पेरम्बूर स्थित उनके आवास के पास अज्ञात लोगों के एक समूह ने हत्या कर दी थी। मायावती ने दावा किया कि मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए लोग असल अपराधी नहीं हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन से मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आग्रह किया ताकि न्याय मिल सके। मायावती ने आर्मस्ट्रांग को श्रद्धांजलि देकर शहर के पेरम्बूर स्थित एक निजी स्कूल में 52 वर्षीय नेता के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। मायावती ने कहा कि सीएम स्टालिन को आर्मस्ट्रांग के लिए न्याय सुनिश्चित करना चाहिए और इस मामले को जांच सौंपनी चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा, ''उनकी जिस तरह से हत्या की गई, उससे पता चलता है कि तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। जिन्होंने उनकी हत्या की है, उन असल दोषियों को अभी तक नहीं पकड़ा गया है। हमें उम्मीद नहीं है कि राज्य सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी, इसलिए मामले को तुरंत सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। बसपा नेता ने कहा कि आर्मस्ट्रांग की हत्या के बाद पूरे राज्य में दलितों के बीच भय पैदा हो गया है और उन्होंने मुख्यमंत्री से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बांकुड़ा स्थित फैक्ट्री में विस्फोट, आठ लोग घायल

बांकुड़ा। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में एक फैक्ट्री में विस्फोट होने से आठ लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बारजोरा में स्पंज आयरन बनाने वाली फैक्ट्री में बिजली के ट्रांसफार्मर में विस्फोट हुआ। घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। कम से कम दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। हालांकि, उनकी हालत स्थिर है।

सांसद का दावा, पिछली भविष्यवाणी की तरह...यह भी सच होगी

दुमका। गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने बड़ा बयान देकर झारखंड में सियासी तूफान मचा दिया है। सांसद दुबे ने कहा कि छह माह के अंदर विधानसभा का चुनाव होगा और नए साल में भाजपा के हाथ में सत्ता होगी। सांसद दुबे ने कहा कि मैंने पिछले दिनों कई भविष्यवाणी की थी, सारी सच हुई है। मैंने दुमका में कहा था, हेमंत सोरेन जेल जाएंगे, वे जेल गए, मैंने कहा चंपाई सोरेन मुख्यमंत्री बनेंगे, वे बने, मैंने कहा कल्पना सोरेन जैसे ही विधायक बनेंगी चंपाई को सीएम का पद त्यागना पड़ेगा...ये एक और बात कह रहा हूं कि 2-3 महीने में यहां चुनाव होगा और 2024 के अंत तक झारखंड में बीजेपी की सरकार बनेगी। भाजपा सांसद दुबे ने कहा कि सोरेन परिवार की वजह से मुख्यमंत्री बन गए। अब मेरी एक नई भविष्यवाणी यह है कि झारखंड में दो ढाई महीने में विधानसभा चुनाव होकर राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। सांसद दुबे ने कहा कि लिखकर रख लीजिए आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 से ज्यादा सीटें मिलने वाली है। सांसद ने कहा कि चंपई सोरेन को सीएम पद से हटाना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद ने कहा कि आलमगीर आलम भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद है। उनके खिलाफ ईडी जांच कर रही है।

चोरी के संदेह में लोगों ने युवक को पीट-पीटकर मार डाला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भीड़ द्वारा हिंसा करने के मामले कम नहीं हो रहे हैं। ताजा मामला दक्षिण 24 परगना के भांगर से सामने आया है। जहां चोरी के संदेह में लोगों के एक समूह ने एक शख्स की पीट-पीटकर मार डाला। फूलबाड़ी निवासी अजगर मोल्ला पर रविवार सुबह स्थानीय लोगों के एक समूह ने पुलिस स्टेशन के करीब हमला कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने शव की सुध नहीं ली, जो काफी देर तक सड़क पर पड़ा रहा, जब तक कि ग्रामीणों ने शव को बरामद नहीं कर लिया। कुछ लोगों ने दावा किया कि हाल ही में इलाके में चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। निवासियों ने अजगर पर चोर होने का संदेह जताकर उसकी पिटाई कर दी। हमले के दौरान अजगर बेहोश हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। इलाके के निवासी ने बताया, इलाके में काफी समय से चोरी की घटनाएं हो रही हैं। यहां रात को गार्ड रहता है, लेकिन उसके जाते ही चोरी की घटनाएं बढ़ जाती हैं। आज एक व्यक्ति पकड़ा गया। व्यक्ति को रस्सी से बांध कर लोगों ने उसकी पिटाई कर दी।

सांसद महुआ मोइत्रा नए मामले में फंसीं, हुई एफआईआर

नई दिल्ली। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा अभी कैश फॉर क्वैरी मामले से उबर भी नहीं पाई कि एक और नए मामले ने उन्हें जकड़ लिया है। अभद्र टिप्पणी मामले में उन्हें आरोपी बनाते हुए पुलिस की साइबर यूनिट ने एफआईआर दर्ज की है। एक बार फिर सांसद महुआ मोइत्रा विवादों के बीच अभद्र टिप्पणी को लेकर नए मामले में फंसती दिखी हैं।

सांसद मोइत्रा के खिलाफ दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की साइबर यूनिट द्वारा एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि उनके खिलाफ बीएनएस की धारा 79 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। यहां बतलाते चलें कि सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म में की गई पोस्ट में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगा है। इस मामले को लेकर महिला आयोग शुक्रवार को दिल्ली पुलिस में शिकायत करने पहुंचा था। सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोपी बनाते हुए सांसद मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इससे उनके लिए एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है।

हरदोई में पुलिस का एक्शन... मुठभेड़ में दो गौकश घायल

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में गौवंश के अवशेष मिलने के बाद पुलिस और एसओजी की टीमें लगातार गौकशों की तलाश कर रही थीं। इस दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हर्रई नगर पुल के करीब कुछ गौकश क्षेत्र में गौवध करने की फिराक में हैं। तुरंत टीम ने घेराबंदी करने का प्रयास किया। तभी संदिग्धों की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो गौकश घायल हो गए। इनके पैर पर गोली लगी थी। मुठभेड़ में पुलिस ने घायल संदिग्धों सहित कुल चार को गिरफ्तार किया है। जबकि तीन गौकश मौके से फरार हो गए। वहीं मुठभेड़ के दौरान प्रभारी निरीक्षक और दो सिपाहियों सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए सभी को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों के पास से अवैध तमंचा, कारतूस सहित कई धारदार हथियार और गौ मांस रखने की काली पैकिंग पन्नी भी बरामद हुई है। एसपी ने बताया कि पुलिस को हरदोई के खेतों में गौवंश के अवशेष पाए जाने के बाद, टड़ियावां थाने की पुलिस और एसओजी टीमों ने गौ तस्करों की तलाश शुरू कर दी। मुखबिर ने योजनाबद्ध गौहत्या की सूचना दी और जब पुलिस ने उन्हें घेरने का प्रयास किया, तभी मुठभेड़ हो हुई। गौ तस्करों ने गोलीबारी की, जिसमें तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में दो गौ तस्कर घायल हो गए और उनके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, उनके तीन अन्य साथी भागने में कामयाब रहे।

महाराष्ट्र में 42 बांग्लादेशी घुसपैठियों के पासपोर्ट रद्द, एटी टैरिरिस्ट ब्रांच ने की कार्रवाई

पिंपरी चिंचवड़। महाराष्ट्र में कई बार यह बात सामने आई है कि बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। जाली दस्तावेजों के आधार पर उनके पास से भारतीय पासपोर्ट जब्त करने के कई मामले सामने आए हैं। पिंपरी-चिंचवाड़ एटीबी (एंटी टैररिस्ट ब्रांच) ने 42 बांग्लादेशी घुसपैठियों के भारतीय पासपोर्ट रद्द करने में सफलता हासिल की है। जनवरी महीने में एटीबी को गोपनीय सूचना मिली थी कि पांच बांग्लादेशी के साई नगर में रह रहे हैं। निगड़ी पुलिस ने उनका पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस बीच बांग्लादेशियों के संपर्क में रहने वाले पासपोर्ट एजेंट से भी पुलिस ने पूछताछ की।

आज देश के लिए मरने की नहीं बल्कि जीने की आवश्यकता है केन्द्रीय गृह मंत्री

– अमित शाह ने अहमदाबाद में अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन का लोकार्पण किया

गांधीनगर (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के करकमलों से तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रोत्साहक उपस्थिति में कडवा पाटीदार समाज के अत्याधुनिक सुविधाओं से सज्ज अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन का रविवार को लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर शाह ने कडवा पाटीदार समाज को अभिनंदन देते हुए कहा कि आज रथयात्रा के शुभ दिवस पर अहमदाबाद के हृदय समान क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रालय परिसर का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था पाँच-दस वर्ष पूर्ण करे, तो भी उसे सफल बताया जाता है, परंतु कडवा पाटीदार समाज की यह संस्था सौ वर्ष पूरे करने वाली है। यह हमारे लिए आनंद व गौरव का विषय है। उन्होंने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ÷मैं इस विद्यार्थी भवन के भूमिपूजन के समय नहीं आ पाया था, परंतु आज आपने मुझे बुला कर मेरे मन की इच्छा पूरी की है।÷

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कडवा पटेल समाज ने गुजरात के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है। गुजरात व पटेल समाज का विकास समानांतर होता रहा है। इस समाज ने कठोर परिश्रम कर समाज के विकास के साथ-साथ राज्य एवं देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कडवा पाटीदार समाज की उत्तर गुजरात की कई संस्थाओं में पढ़-लिख कर आज लोग देश सेवाएँ कर रहे हैं। शाह ने अपने छात्रकाल के छात्रावास जीवन और गृहपति नटुभाई पटेल की अनुशासनबद्धता एवं छात्रों का ध्यान रखे जाने का स्मरण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से बलपूर्वक कहा कि वे चाहे जैसी परिस्थिति का हँसते-खेलते दृढ़तापूर्वक सामना कर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए एक लक्ष्य निर्धारित कर उसी दिशा में निश्चित प्रयास करने चाहिए। अमित शाह ने कहा कि कडवा पाटीदार समाज की इस संस्था ने गुजरात में बहुत बड़ा योगदान दिया है। इस पवित्र भूमि पर सरदार पटेल ने अनेक दिन बिताए हैं और स्वतंत्रता आंदोलन में बहुत बड़ा योगदान दिया है। यह संस्था आगामी दिवसों में उच्च शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा का उजाला फैलाने का कार्य करेगी। उन्होंने स्वकल्याण के साथ सबका कल्याण करने का अनुरोध किया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश के लिए मरने की नहीं, अपितु देश के लिए जीने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप अच्छे आईएएस, आईपीएस, सीएम, डॉक्टर, अच्छे नागरिक या गृहिणी बनें, परंतु देश के लिए काम करना जरूरी है।

सिब्बल ने उपराष्ट्रपति धनखड़ से क्यों कहा... हम सभी अंशकालिक हैं

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने नए आपराधिक कानूनों पर कांग्रेस नेता और पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम की टिप्पणियों की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा आलोचना करने पर उन पर निशाना साधकर कहा कि रोज संसदीय प्रक्रियाओं का अपमान विपक्ष नहीं करता है। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने टिप्पणी की थी कि तीन नए आपराधिक कानून

''अंशकालिक लोगों ने तैयार किए। धनखड़ ने चिदंबरम पर निशाना साधकर बयान को अक्षम्य करार दिया था और इस आपत्तिजनक और मानहानिकारक कथन को वापस लेने का अनुरोध किया था। धनखड़ ने कहा था कि वे चिदंबरम का साक्षात्कार पढ़कर दंग रह गए, जिसमें उन्होंने कहा है कि नए कानून अंशकालिक लोगों ने तैयार किए हैं। सिब्बल ने कहा, धनखड़ ने तीन आपराधिक कानून अंशकालिक लोगों द्वारा तैयार करने के चिदंबरम के बयान की आलोचना करते हुए संसद की सूझ-बूझ का अपमान बताया जिसकी कोई माफी नहीं है। हम सभी अंशकालिक हैं धनखड़ जी। उपराष्ट्रपति ने भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी) के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कहा था, क्या संसद में हम अंशकालिक लोग हैं? यह संसद की सूझ-बूझ का अपमान है, जिसके लिए कोई माफी नहीं है...मेरे पास ऐसी सोच और किसी सांसद को अंशकालिक कहे जाने की निंदा करने के लिए शब्द नहीं हैं।

अब केवल दाऊद को ही क्लीन चिट मिलना बाकी : राउत

-शिंदे गुट के रवींद्र वायकर को मिली राहत पर विपक्ष का हमला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में रवींद्र वायकर को जमीन घोटाले में मुंबई पुलिस से क्लीन चिट मिल गई है। मुंबई पुलिस की ईओडब्ल्यू ब्रांच ने क्लोजर रिपोर्ट जारी कर रवींद्र वायकर, उनकी पत्नी और करीबियों को राहत दे दी है। वायकर को जैसे ही क्लीन चिट देने का मामला सामने आया, वैसे ही विरोधी दल के नेता राज्य सरकार और केंद्र सरकार पर टूट पड़े।

महाराष्ट्र में शिंदे गुट के सांसद रवींद्र वायकर को क्लीन चिट मिलने के बाद उद्धव गुट के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा कि अब दाऊद को क्लीन चिट मिलना बाकी है। संजय राउत ने कहा कि अब केवल दाऊद को ही क्लीन चिट मिलना बाकी रह गया है। उन्होंने दावा किया कि रवींद्र वायकर ने ईडी के डर से उद्धव ठाकरे को छोड़ा और शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। राउत ने कहा कि हमारे लोगों के खिलाफ़ फर्जी मामले दर्ज़ किए जाते हैं और हम पर दबाव डालने का काम किया जाता है। इसमें कुछ लोग डर से उनके पास चले जाते हैं।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हमला करते हुए राउत ने कहा कि वह भी डर से उनके साथ चले गए थे। बीजेपी को मानना चाहिए कि हमने डर पैदा करने के लिए इनके खिलाफ़ मामला दर्ज़ किया है। राउत ने कहा कि ईओडब्ल्यू का कहना है कि वायकर के खिलाफ़ उन्होंने अधूरी जानकारी और गलतफ़हमी' में मामला दर्ज़ किया था, तो गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस को चाहिए कि वे ईओडब्ल्यू के उन अधिकारियों पर कार्रवाई करें।

वहीं महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि अब वायकर मामले पर ज्यादा बात करने का कोई मतलब नहीं है। हमें इस बात पता पहले ही चल गया था जब लोकसभा चुनाव से पहले वायकर दल बदल कर सत्तारूढ़ दल के साथ चले गए थे। पटोले ने कहा कि इसलिए इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है कि मुंबई पुलिस ने उन्हें क्लीन चिट देते हुए फाइल बंद कर दी है।

बता दें मार्च, 2023 में रवींद्र वायकर उद्धव सेना में थे। तब बीजेपी नेता व पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने वायकर पर आरोप लगाया था कि जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक मार्ग स्थित मातोश्री आर्ट्स एंड स्पोर्ट्स ट्रस्ट के नाम पर बीएमसी से जमीन ली थी। उसी जमीन पर वायकर पांच सितारा होटल बना रहे हैं। उसे रोकने की मांग सोमैया ने बीएमसी और राज्य सरकार से की थी। उस समय सोमैया ने इस मामले में 500 करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया था। सोमैया के आरोप के बाद बीएमसी ने वायकर को फरवरी 2023 में नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा था। सोमैया के आरोप का वायकर ने जवाब दिया। इस मामले की पूरी जांच ईओडब्ल्यू कर रहा था।

योगी सरकार की अपील.... दूसरे राज्यों अपने कांवड़ यात्रियों को पहचान पत्र जारी करे

-कांवड़ यात्रा को लेकर योगी का फूलफ्रूफ प्लान

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार ने पड़ोसी राज्यों से अपने-अपने क्षेत्रों के कांवड़ यात्रियों को पहचान पत्र जारी करने का अनुरोध किया। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में उच्च स्तरीय बैठक में पवित्र सावन मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों को तैयारियां पुख्ता करने के निर्देश दिए थे। बयान के अनुसार, बैठक में अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रियों को भाला, त्रिशूल या किसी भी तरह का हथियार ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

बयान में कहा गया है कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर बड़े संगीत उपकरणों पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा, लेकिन ध्वनि निर्धारित कानूनी सीमा के भीतर होनी चाहिए तथा कांवड़ यात्रा की निगरानी सीसीटीवी और ड्रोन से होगी। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में 22 जुलाई से कांवड़ यात्रा शुरू होगी। इसके लिए मेरठ में कांवड़ यात्रा समन्वय बैठक में दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और राजस्थान

के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान बैठक में मेरठ के सीमावर्ती जनपदों के वरिष्ठ अधिकारी ऑनलाइन जुड़े जबकि रेंज और मंडल के अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कारणों से पूरे मार्ग को पांच जोन में बांटा गया है तथा मार्ग में जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर और कांवड़ शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें श्रद्धालुओं के लिए विश्राम, भोजन और आवास की सुविधा होगी। सिंह ने कहा कि महिलाओं के लिए अलग से शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए उप्र और उत्तराखंड में आठ संयुक्त नियंत्रण कक्ष बनाए जाएंगे, जिनका संचालन दोनों राज्यों के अधिकारी करने वाले है। जिन मार्गों से यात्रा शुरू होगी, वहां भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा तथा 21 जुलाई की रात 12 बजे से दिल्ली एक्सप्रेस वे, देहरादून एक्सप्रेसवे और चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और राजस्थान की सीमाओं पर विशेष सुरक्षा उपाय किए जाएंगे, जिसमें श्वान दस्ता, बम निरोधक दस्ते, आईबी, खुफिया और एलआईयू टीमें सक्रिय रहेंगी।

कांवड़ मार्ग पर शराब और मीट की दुकानें बंद रहेंगी। किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए बिजली के खंभों को पॉलीथिन से और ट्रांसफार्मरों को जाल से ढका जाएगा। इतना ही नहीं दूसरे राज्यों के अधिकारियों को कांवड़ यात्रियों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की समस्या होने पर उनसे संपर्क किया जा सके और उनकी सहायता की जा सके।

असम में बाढ़ ने उजाड़ दिए कई आशियानें, अब तक 52 लोगों की गई जान

बारपेटा। असम में बाढ़ से लोगों का हाल बेहाल है। बाढ़ ने अब तक 52 लोगों की जान ले ली है और कई बेघर हो गए हैं। कई लोगों के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, वहीं सड़कें बंद हैं। फसलें नष्ट हो गई हैं और कई मवेशी भी बाढ़ में बह गए हैं तो कई मारे गए हैं। असम के रहने वाले जुब्बर अली ने दो बेटियों, पत्नी और बीमार मां के साथ बारपेटा जिले में तटबंध पर शरण ली है, बाढ़ में उनका घर पूरी तरह तबाह हो गया है। ब्रह्मपुत्र नदी में जुब्बर का पक्का घर बह जाने के बाद बाढ़ के पानी ने उन्हें बेघर होने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने दूसरे के घर में शरण ली है, लेकिन बाढ़ के पानी ने उस घर को अपनी चपेट में ले लिया है। अब वे बारपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रौमारी पाथर इलाके में तटबंध पर एक तंबू में रह रहे हैं। रौमारी पाथर इलाके में करीब 100 परिवार इस तरह की समस्या का सामना कर रहे हैं, जिन्होंने पिछले ब्रह्मपुत्र नदी के कटाव में अपने घर खो दिए हैं। जुब्बार अली ने कहा कि 1-2 महीने के अंदर ही करीब 100 परिवार कटाव के कारण अपने घर खो चुके हैं और अब वे राहत शिविरों में रह रहे हैं। बाढ़ से असम में जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। उधर गुवाहाटी में नाले में डूबे आठ साल के मासूम की खोज जारी है। मासूम को लापता हुए तीन दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक कुछ पता नहीं चला है। मासूम अभिनाश के पिता हीरालाल बेटे को खोजने में इधर अधर भटक रहे हैं। खोजबीन में उन्हें अपने बेटे की चप्पलें मिली हैं। हीरालाल ने कहा कि मैं लोहे की रॉड से खोज कर रहा हूं और अपने बेटे की चप्पलें ही ढूंढ पाया हूं। सरकार के पास मशीनें और कई साधन है, उन्हें मेरे बेटे को ढूंढना चाहिए। उन्होंने बेटे की चप्पलें पुलिस को सौंप दी हैं।

बजट में बिहार और तमिलनाडु पर केंद्र सरकार हो सकती है मेहरबान

-नायडू ने एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय मदद मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल के बजट में बिहार और तमिलनाडु जैसे राज्यों पर केंद्र सरकार मेहरबानी दिखा सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ही राज्यों ने 2024 के केंद्रीय बजट से पहले पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि मांगी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को देश का बजट पेश करेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी के दो प्रमुख सहयोगियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए फंड के अलावा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए उधार लेने की सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। 16 सांसदों वाली टीडीपी और 12 सांसदों वाली जेडीयू ने केंद्र में बीजेपी सरकार बनाने में मदद की है। इसके बाद से लगातार उम्मीद की जा रही थी कि नायडू और नीतीश बीजेपी के लिए किंगमेकर की भूमिका निभाने के बदले में अपने राज्यों के लिए अतिरिक्त धनराशि की मांग करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार नायडू ने एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय मदद मांगी है। नायडू इस सप्ताह की शुरुआत में पीएम मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने अपनी मांगों पर जोर दिया था। रिपोर्ट में बताया था कि आंध्र प्रदेश ने अपनी राजधानी अमरावती के विकास के लिए धन मांगा है। इसके अलावा पोलावरम सिंचाई परियोजना के लिए भी राशि की मांग की गई है।

चंद्रबाबू नायडू विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और अमरावती में मेट्रो परियोजनाओं, एक लाइट रेल परियोजना और विजयवाड़ा से मुंबई और नई दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन के लिए भी धन चाहते हैं। इसके अलावा, उन्होंने पिछड़े जिलों के लिए अनुदान और रामायपटनम बंदरगाह और कडप्पा में एक एकीकृत इस्पात संयंत्र जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए समर्थन मांगा है।

भतीजे को निपटाने में तुले चाचा पवार साहेब

-एक के बाद एक दे रहे सियासी चोट

मुंबई (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही महाराष्ट्र में सियासी पारा चढ़ने लगा है। दोनों प्रमुख गठबंधन और सभी प्रमुख छह पार्टियां चौबीसों घंटे रणनीति बनाने में जुटी हैं। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के नेता भारी पड़े थे। इसकारण उनका उत्साह सातवें आसमान पर है। इस बीच एनसीपी शरद गुट के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने अपने भतीजे और मूल एनसीपी पर कब्जा जमाने वाले शिंदे सरकार में मंत्री अजित पवार को एक और गहरी चोट दी है। दरअसल लोकसभा चुनाव में एनसीपी अजित गुट का प्रदर्शन बहुत खराब रहा। अजित गुट को केवल एक सीट मिली थी। जबकि एनसीपी शरद गुट ने 10 सीटों पर चुनाव जीतकर आठ पर जीत हासिल की थी। जीत से एनसीपी शरद गुट का उत्साह सातवें आसमान पर है।

महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य कहलाने वाले शरद पवार खुद पूरी कमान संभाले हुए हैं। रविवार को उन्होंने अजित को गहरी चोट देकर उनकी पार्टी के एक बड़े नेता को अपने पाले में कर लिया। एनसीपी के नासिक शहर अध्यक्ष नानासाहेब महाले शरद पवार गुट में शामिल हो गए। नानासाहेब शरद पवार की उपस्थिति में बारामती के गोविंद बाग में अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ राष्ट्रवादी शरद पवार समूह में शामिल हुए। नानासाहेब का शरद गुट में जाना अजित पवार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। नानासाहेब एनसीपी के नासिक शहर अध्यक्ष थे। जिले के वह कद्दावर नेता हैं। लोकसभा चुनाव में एनसीपी ने नासिक पर अपना दावा किया था लेकिन एनसीपी को यह सीट नहीं मिली थी। अब नासिक में एनसीपी की स्थिति बहुत कमजोर हो गई है।

उधर, एनडीए में मची खलबली के बीच इसके तीनों प्रमुख नेताओं एकनाथ शिंद, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ एक बड़ी बैठक की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री अजित ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से लोकसभा चुनाव में मिली हार से निराश नहीं होने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्ष ने समाज में गलत संदेश फैलाया। एनडीए विभागवार और तालुकावार समन्वय करने में विफल रहा। इसकारण हमें इस पर विचार करना चाहिए।

मुधकर के कई बड़े नेताओं से संपर्क, मिलती थी आयोजन की फंडिंग

– हाथरस सत्संग के लिए 70 लाख का चंदा

हाथरस (एजेंसी)। हाथरस में सत्संग के बाद भगदड़ से हुई 121 लोगों की मौतों के मामले में गिरफ्तार देवप्रकाश मधुकर के कई सियासी पार्टियों से गहरे रिश्ते उजागर हुए हैं। मधुकर कई बड़े नेताओं के संपर्क में था। मधुकर से पूछताछ के बाद एजेंसियों को पता चला है, वह सत्संग आयोजन के लिए फंड इकट्ठा करने का काम करता था। इतना ही नहीं, सभी बड़े आयोजनों की जिम्मेदारी भी मधुकर के हाथ में होती थी। समिति के सदस्य उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार और छत्तीसगढ़ में बताए जा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि सत्संग के बाद भगदड़ में जब लोगों की मौत हुई थी, तब मधुकर ने ही बाबा को इसकी जानकारी दी थी। हालांकि, इस सवाल के जवाब में पुलिस अधिकारी कह रहे हैं कि कॉल डिटेल खंगाली जा रही हैं। सही तस्वीर सामने आने के बाद ही कुछ बताया जाएगा है। मधुकर वैसे एटा का रहने वाला है, लेकिन मौजूदा समय में वह सिकंदराराऊ के मोहल्ला दमदपुरा नई कॉलोनी में रह रहा है। यहीं पर वह 10 साल पहले भोले बाबा की मानव मंगल मिलन सद्भावना समागम समिति से जुड़ गया था। कुछ ही समय में मुधकर को मुख्य सेवादार का दर्जा दे दिया गया और भोले बाबा के प्रिय शिष्यों में उसकी गिनती होने लगी है। बताया जाता है कि आमतौर पर भोले बाबा किसी से फोन पर बात नहीं करते लेकिन मधुकर से उनकी फोन पर बात होती थी। हाथरस में सत्संग कराने की जिम्मेदारी भी मुधकर को मिली थी। मुधकर ने ही एसडीएम सिंकदराराऊ से सत्संग की अनुमति ली थी। इस सत्संग का बड़ा प्रचार-प्रसार किया गया। शहर में ही 50 से ज्यादा बोर्ड लगाए गए। इस सत्संग के लिए भी बड़े पैमाने पर चंदा हुआ। कई सियासी दलों के लोग भी मधुकर के संपर्क में थे और फंडिंग करते थे। सिंकदराराऊ में भी सत्संग की अनुमति के लिए कई पार्टियों के नेताओं ने अपने सिफारिशी पत्र भी आवेदन के साथ लगाए थे। पुलिस पूछताछ में जो खुलासा हो रहा है, उसके मुताबिक सियासी दल एक बड़े वर्ग को साधने के लिए इनसे जुड़े रहे हैं। जांच एजेंसियों ने इसकी भी जांच शुरू कर दी है।

जांच एजेंसियों की प्रारभिंक जांच में सत्संग के आयोजन के लिए पिछले एक महीने से चंदा हो रहा था। तीस से ज्यादा लोगों की टीम गांव-गांव जाकर अपने समाज के लोगों से पैसा इकट्ठा कर रही थी। आयोजन के लिए ही 70 लाख से ज्यादा का चंदा हाथरस क्षेत्र के लोगों से ही हो चुका था। जबकि एक बड़ी संख्या उन लोगों की भी है, जो आनलाइन पैसा भेज रहे थे। बताया जाता है कि चंदे की 30 फीसदी रकम इकट्ठा करने वाले रख लेते हैं, जबकि 70 फीसदी पैसा ट्रस्ट में जमा कर दिया जाता है। इसकी कोई रसीद नहीं दी जाती बल्कि डायरी में लिख लिया जाता है।

मुख्य आरोपी है मनरेगा में तकनीकी सहायक

मधुकर खुद एटा जिले में मनरेगा में तकनीकी सहायक के रूप में तैनात है। वह भोले बाबा समिति का मुख्य सेवादार भी है। जहां भी बड़े सत्संग होते हैं उनका आयोजन करना और फंड इकट्ठा करना उसकी ही जिम्मेदारी है। पुलिस को पूछताछ के दौरान जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक कई सरकारी विभागों में उसने सत्संग समिति के सदस्य बना रखे हैं। अधिकारियों तक को जोड़ रखा है। पुलिस की जांच कमेटी ने अब इस दिशा में भी काम शुरू कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)